05 जनवरी 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

एक घंटा थाना में बैठाने के बाद सदर एसडीएम ने दिया था 10-4 का ऑफर 3

पोखरण न्यूक्लियर टेस्ट से दुनिया को हिलाने वाले वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाल का निधन

- ♦चिदंबरम को साल 1975 और साल 1999 में पद्म श्री और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था
- ♦मुंबई के जसलोक अस्पताल में ली अंतिम सांस
- ♦अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष भी रहे थे

एजेंसी/मुंबई

देश के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने शनिवार तड़के 3.20 बजे मुंबई के जसलोक अस्पताल में अंतिम सांस ली। पोखरण परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाने वाले देश के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। वे भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पूरा देश कृतज्ञता के साथ याद करेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। 11 नवंबर, 1936 को चेन्नई में जन्मे डॉ. राजगोपाल चिदंबरम को भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में अहम भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने पोखरण-1 (1975) और पोखरण-2 (1998) के परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। चिदंबरम को साल 1975 और साल 1999 में पद्म श्री और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकार : पोखरण परमाणु परीक्षणों के मुख्य वास्तुकार ने 1974 में बॉम्बे से पोखरण तक प्लूटोनियम ले जाने वाले सैन्य ट्रक में यात्रा की थी। इंडिया राइजिंग मेमोयर ऑफ ए साइंटिस्ट में उन्होंने इसका खुलासा किया था कि यह कार्यक्रम 1974 और 1998 के बीच गुप्त रखा गया था। चिदंबरम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव के तौर पर भी काम किया। इसके अलावा वह अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष भी रहे थे।

डॉ. राजगोपाल के निधन पर पीएम ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए कहा कि डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से गहरा दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरा देश कृतज्ञता के साथ उन्हें हमेशा याद रखेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेंगे। डॉ. चिदंबरम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 1974 के पहले परमाणु परीक्षण में योगदान दिया और 1998 में पोखरण में दूसरी परमाणु परीक्षण के दौरान परमाणु उर्जा विभाग की टीम का नेतृत्व किया। परमाणु उर्जा विभाग के बयान में कहा गया, उन्होंने 1997 में देश के पहले परमाणु परीक्षण में अद्वितीय भूमिका निभाई और 1998 में दूसरे परमाणु परीक्षण के दौरान डीएई की टीम का नेतृत्व किया। उनके योगदान ने भारत को वैश्विक मंच पर एक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पद्म श्री और पद्म विभूषण से किया गया था सम्मानित : डॉ. चिदंबरम को साल 1975 में पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके बाद 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने डॉक्टर की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। वह कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अकादमियों के फेलो भी रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी शोक व्यक्त किया : डॉ. चिदंबरम के निधन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी शोक व्यक्त किया और उन्हें एक शानदार वैज्ञानिक बताया। खरगे ने कहा कि उनके असाधारण योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने एक्स पर कहा, प्रख्यात वैज्ञानिक और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से बेहद दुखी हूं।

भड़काऊ गीत पोस्ट करने पर जामनगर के सांसद पर केस दर्ज

एजेंसी/जामनगर

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात के जामनगर में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एक वीडियो पोस्ट करने के लिए केस दर्ज किया गया है। इस वीडियो में एक गाना चल रहा है, जिसे भड़काऊ और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जो धर्म, जाति आदि के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने से जुड़ा है। वहीं स्थानीय कांग्रेस नेता अल्ताफ खाफी और इस कार्यक्रम का आयोजन करने वाले एक ट्रस्ट संजरी एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट पर भी मामला दर्ज किया गया है। जामनगर के निवासी किशन नंदा की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान प्रतापगढ़ी ने 29 दिसंबर को सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के तीन दिन बाद 2 जनवरी को वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में इमरान प्रतापगढ़ी को फूलों की बारिश के बीच लोगों का अभिवादन करते दिखाया गया है। लेकिन वीडियो के बैकग्राउंड में चल रहे गाने के बोल को धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला और हिंसा भड़काने वाला बताया गया है। पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख देलू के अनुसार लोगों से तीखी प्रतिक्रियाएं पाईं। एक यूजर ने वीडियो की तुलना सीरिया और इराक से कर दी है।

बेउर काराधीक्षक की कमाई, पूर्वजों की संपत्ति और इनके वेतन से मिलान जारी

बेउर केंद्रीय कारा अधीक्षक के सरकारी आवास और पैतृक घर पर ईओयू का छापा

एजेंसी/पटना

ईओयू की ओर से बताया गया है कि आर्थिक अपराध इकाई के विभिन्न दलों के द्वारा बेउर कारा पटना के अधीक्षक विधु कुमार के विभिन्न ठिकानों पर आय से अधिक मामलों मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के पश्चात छापामारी, तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई की जा रही है. इस संदर्भ में आर्थिक अपराध थाना काण्ड सं0-01/25, दिनांक-03.01.2025 दर्ज किया गया है। प्रारंभिक रूप से इनके द्वारा कुल-146 प्रतिशत अप्रत्यानुपातिक धर्नाजन से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। छह महीने पहले ही बिहार कारा सेवा के अधिकारी डॉ. विधु कुमार की पटना के बेउर केंद्रीय कारागार में पदस्थापना हुई थी।

ईओयू की छापामारी विधु कुमार के गांव स्थित पैतृक घर और जेल परिसर के पास स्थित सरकारी आवास पर चल रही है। बेऊर जेल के अधीक्षक विधु कुमार के ठिकानों पर शनिवार को एडव की टीम ने छापेमारी की है। आय से अधिक संपत्ति मामले में जेल अधीक्षक के खिलाफ यह छापामारी की गई है। उनके आवास समेत कई जगहों पर ईओयू ने रेड मारी है। विधु कुमार के पटना, बिहटा के बिसुनपुरा गांव समेत उनके कई अन्य ठिकानों पर कार्रवाई जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई ने एक साथ पटना सहित कई जगहों पर छापामारी की है। सूत्रों के अनुसार जांच टीमों को ऐसी सूचना मिली है कि करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का यह मामला है. छापामारी में कई अहम दस्तावेज और सबूत मिल सकते हैं। इस कार्रवाई में ईओयू ने अधीक्षक की संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। राजधानी पटना स्थित केंद्रीय कारा बेउर के अधीक्षक डॉ. विधु कुमार के गांव स्थित पैतृक घर और जेल परिसर के पास स्थित सरकारी आवास पर आर्थिक अपराध इकाई ने शनिवार की सुबह धावा बोला। आर्थिक अपराध इकाई के अधिकारी आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच के लिए पहुंचे हैं। छह महीने पहले ही बिहार कारा सेवा के अधिकारी डॉ. विधु कुमार की पटना के बेउर केंद्रीय कारागार में पदस्थापना हुई थी। बेउर काराधीक्षक बनने के बाद और उसके पहले की उनकी कमाई, पूर्वजों की संपत्ति और इनके वेतन से मिलान किया जा रहा है।

केंद्रीय कारा अधीक्षक के विरूद्ध मिले कई अहम दस्तावेज

आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर की जा रही है। अधिकारियों ने अधीक्षक की संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, जेल के भीतर और बाहर अधीक्षक से जुड़ी संपत्तियों पर कई अहम दस्तावेज हाथ लगे। टीमों का दावा है कि करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का मामला उजागर हो सकता है। इस कार्रवाई ने पूरे जेल प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। इधर, जेल अधीक्षक पर आर्थिक अपराध इकाई में आय अधिक संपत्ति यानी डीए का केस दर्ज कर लिया है। अधीक्षक के पास आय से करीब 150 सौ फीसदी अधिक की संपत्ति मिलने की सूचना है।

अंतरराज्यीय तस्कर गैंग का खुलासा 50 लाख के गांजे के साथ 6 गिरफ्तार

एजेंसी/उन्नाव

यूपी की उन्नाव पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है । इनके पास से पचास लाख की कीमत का अवैध गांजा बरामद हुआ है । यह लोग बिहार और उड़ीसा से बड़ी मात्रा में गांजा की खेप लेकर आते थे और फिर अपने एजेंटो को गांजा की सप्लाई कर देते थे। लोकल स्तर पर जुड़े यह लोग अपने अपने इलाकों में गांजे को बेचने का काम करते थे। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के मास्टरमाइंड समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गांजा तस्कर गिरोह का खुलासा 6 गिरफ्तार : शनिवार को एसपी उन्नाव दीपक भूकर ने प्रेस कांफ्रेंस कर मीडिया को इस बात की जानकारी दी और बताया कि गैंग का मुख्य सरगना अभिषेक तिवारी है, इसके तार ओडिशा और बिहार से जुड़े है । अभिषेक बड़ी मात्रा में उड़ीसा और बिहार से गांजा तस्करी कर लाता था और फिर लोकल स्तर पर गिरोह से जुड़े अन्य साथियों को गांजा की सप्लाई करता था। लोकल स्तर पर गिरोह से जुड़े अन्य लोग अपने अपने इलाकों में गांजे की आपूर्ति करते थे। यह माल छोटे स्तर पर पैकेट बनाकर किया जाता था ताकि किसी की नजर इस पर नहीं पड़े और मामल आसानी से पहुंच जाए। इसके लिए युवाओं को ट्रेंड किया जाता था।

तस्करों की उम्र 22 से 26 साल के बीच : एसपी दीपक भूकर ने बताया कि अभिषेक तिवारी पर पहले से ही मुकदमे दर्ज है । इस गैंग में अभिषेक के अलावा जितेंद्र, आयुष तिवारी, सुशील, सोनू और उमेश कुमार शामिल है । गिरफ्तार किए गए तस्करों की उम्र लगभग 22 से 26 साल के बीच है और यह सब उन्नाव जिले के अलग अलग थाना क्षेत्र के रहने वाले है । बहरहाल पुलिस अभिषेक तिवारी के माध्यम से उड़ीसा और बिहार से जुड़े इनके तार का पता लगाने में जुटी है।इस गैंग में अभिषेक के अलावा जितेंद्र, आयुष तिवारी, सुशील, सोनू और उमेश कुमार शामिल है । गिरफ्तार किए गए तस्करों की उम्र लगभग 22 से 26 साल के बीच है और यह सब उन्नाव जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र के रहने वाले है। इन युवाओं के पास कुछ गंभीर कागजात प्राप्त हुआ है। इसके माध्यम से इससे जुड़े लोगों को खोजा जा रहा है। इस बात की उम्मीद जतायी जा रही है कि इसमें कई सफेदपोश भी इसकी जद में आ जाऐंगे। हालांकि जांच के बाद ही सभी बातों का खुलासा होगा। बहरहाल पुलिस अभिषेक तिवारी के माध्यम से उड़ीसा और बिहार से जुड़े इनके तार का पता लगाने में जुटी है।

जम्मू-कश्मीर में सेना का ट्रक खाई में गिरा चार जवानों की मौत, दो गंभीर रूप से जख्मी

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर सेना का ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में 4 जवानों की मौत हो गई। 2 जवान गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक में 6 जवान ही सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। यहां ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के कारण विजिबिलिटी कम थी। इस कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। मृतक सैनिकों की पहचान पवन कुमार, हरिराम, जतिंदर कुमार और नतीश कुमार के तौर पर हुई है। घायल जवानों के नाम गरली शंकर और वलपा कुमार हैं।बांदीपोरा हादसे पर एलजी मनोज सिन्हा ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। राष्ट्र उनकी सेवा और प्रतिबद्धता के लिए बहुत आभारी है। मौके पर जम्मू कश्मीर पुलिस और सुना के कई जवान बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार, उत्तरी कश्मीर जिले में एसके पायन के पास सेना का एक वाहन सकड़ से फिसलकर खाई में गिर गया।

टीएमसी नेता की हत्या है गहरी साजिशः शुभेंदु

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मालदा जिले में टीएमसी के एक अनुभवी नेता की हत्या गहरी साजिश का हिस्सा है। अधिकारी ने अदालत की निगरानी में किसी केंद्रीय एजेंसी द्वारा इस मामले की जांच की मांग की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि वह मालदा इंग्लिश बाजार नगरपालिका के टीएमसी पार्षद दुलाल सरकार को वर्षों से जानते थे, जिनकी कथित तौर पर हत्या की गई। उन्होंने कहा कि दुलाल सरकार की दिनदहाड़े निर्मम हत्या हुई है, अदालत की निगरानी में इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी द्वारा होनी चाहिए।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में हुआ भयंकर विस्फोट छह मजदूरों की मौके पर मौत, राहत अभियान जारी

एजेंसी/चेन्नई

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में शनिवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री के चार कमरे पूरी तरह से ध्वस्त हो गए। पुलिस, अग्निशमन और बचाव विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और राहत कार्य जारी है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, धमाका शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ था। विस्फोट के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि रसायनों को मिलाते वक्त विस्फोट हुआ। यह हादसा तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्रियों में हुए पिछले हादसों की कड़ी में एक और घटना बन गया है। इससे पहले, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पटाखा फैक्ट्रियों में सुरक्षा नियमों की जांच का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। प्रशासन पर सेफ्टी जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं।तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि इसकी चपेट में आने से 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई है। इस घटना के बाद पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची है, राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अबतक 6 लोगों की मौत इस हादसे में हो गई है। मरने वालों में वेलमुरुगन, नागराज, कन्नन, कामराज, शिवकुमार और मीनाक्षी शामिल हैं। इनके अलावा एक अन्य मजदूर बुरी तरह से घायल है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि यह पहला मामला नहीं है जब तमिलनाडु में किसी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है।

छत्तीसगढ़ में पत्रकार की हत्या, तीन अरेस्ट

बस्तर। छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि मुकेश की हत्या कर उनके शव को पानी की टंकी में छिपाया गया था। मुकेश पहली जनवरी से लापता थे। परिजनों ने इस मामले की शिकायत बीजापुर पुलिस से की थी। जिसके बाद से उनकी तलाश की जा रही थी। इस मामले में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, 'मैं दोबारा यह बात दोहराता हूं कि बीजापुर में युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या में शामिल किसी भी दोषी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं।

100 से ज्यादा कंप्यूटर और स्क्रीन से चप्पे-चप्पे की होगी लाइव वीडियो मॉनिटरिंग

प्रयागराज महाकुंभ- रेत पर बसा सबसे बड़ा होगा हाईटेक मेला

एजेंसी/प्रयागराज

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में सबसे अधिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। पहली बार एआई और चैटबॉट तकनीक का इस्तेमाल करने जा रहे हैं। यह भारतीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में कही थी। 2019 का अर्द्ध कुंभ केंद्र और प्रदेश की बीजेपी सरकार के लिए पहला था। तब सरकार ने दिव्य और भव्य कुंभ का स्लोगन दिया था।

प्रधानमंत्री ने इसे एक स्टेप और आगे ले जाते हुए डिजिटल कुंभ कहा है। संगम की रेती पर पहली बार बसने जा रहा है डिजिटल कुंभ मेला। प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में कई बार इशारा भी किया कि इस बार कुंभ में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं की लाइफ को आसान किया जाएगा। मेला क्षेत्र में जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हैं। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की फोटो के साथ ही दिव्य, भव्य और डिजिटल कुंभ का स्लोगन लिखा है। जिन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालु कुंभ के वर्चुअल संसार में पहुंच जाएंगे। कुंभ मेले में लगे होर्डिंग पर 4 अलग-अलग तरह के दफ कोड लगे हैं। इन्हें स्कैन कर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपने स्मार्टफोन पर कुंभ का वर्चुअल टूर कर सकते हैं। यहां लगे 100 से ज्यादा कंप्यूटर और स्क्रीन पर मेला क्षेत्र की चप्पे-चप्पे की तस्वीर और लाइव वीडियो की 24 घंटे मॉनिटरिंग हो रही है।

क्राउड मैनेजमेंट के लिए भी 328 कैमरे लगाए गए

कंट्रोल रूम में हमें मेला क्षेत्र के एसएसपी राजेश द्विवेदी मिले। उन्होंने बताया कि कोई हार्डकोर क्रिमिनल, आतंकी या अपराधी अगर मेला क्षेत्र में आता है, तो पकड़ा जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग फेस रिकग्निशन कैमरे से की जा रही है। कुछ ही सेकेंड में उससे जुड़ा डेटा अकसे पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद डेटा बेस से मैच हो जाएगा और उसके फेस पर रेड-फ्लैग लग जाएगा। इसके बाद वह जहां-जहां जाएगा, सभी कैमरे उसे लगातार मॉनिटर करेंगे। यह अलर्ट कंट्रोल रूम के साथ मेले में मौजूद सभी पुलिसकर्मियों के फोन पर भी जाएगा और संदिग्ध गिरफ्त में होगा। क्राउड मैनेजमेंट के लिए भी 328 कैमरे लगाए गए हैं। इनके जरिए मेला क्षेत्र में आने वाली भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।

बेंगलुरू की अदालत से पत्नी निकिता, सास निशा सिंघानिया को जमानत, आरोपी परिवार को बड़ी राहत

एजेंसी/बेंगलुरू

बीते साल 2024 का सबसे चर्चित आत्महत्या केस अतुल सुभाष मामले में बेंगलुरू कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। दरअसल, बेंगलुरू सिटी सिविल कोर्ट ने आरोपी सिंघानिया परिवार की याचिका स्वीकार करते हुए अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और पत्नी के भाई अनुराग सिंघानिया को जमानत दे दी है।

इससे पहले 20 दिसंबर 2024 को भी तीनों ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले अतुल सुभाष और यूपी के जौनपुर जिले की निवासी निकिता सिंघानिया की शादी साल 2019 में हुई थी। जिसके कुछ दिन बाद से ही दोनों के बीच कई मामलों लेकर अनबन थी। इसके बाद से दोनों ने तलाक के किए कोर्ट कचहरी के चक्कर भी लगाए थे। अतुल सुभाष ने फैमिली कोर्ट की जज रीता कौशिक और ससुरालीजनों की तरफ से बड़े पैमाने पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए नौ दिसंबर 2024 को आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के मुताबिक, अतुल सुभाष ने आत्महत्या से पहले 24 पन्नों का एक सुसाइट नोट और एक घंटे से ज्यादा लंबा समय वीडियो रिकॉर्ड किया था। जिसमें उन्होंने अपनी शादी के बाद तनाव, पारिवारिक समस्याओं और पत्नी व ससुराल वालों की ओर से उत्पीड़न का जिक्र किया। यह सुसाइड नोट उन्होंने एक एनजीओ के व्हाट्सएप ग्रुप में भी साझा किया था। वहीं अतुल सुभाष के आत्महत्या के बाद 14 दिसंबर को उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम और सास निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया था।

सीएम नीतीश ने गोपालगंज में 72 योजनाओं का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/गोपालगंज

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को गोपालगंज जिले से प्रगति यात्रा के दूसरे चरण की शुरूआत की। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने गोपालगंज जिले में लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से 72 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 7169.080 लाख रुपये की लागत से 61 योजनाओं का उद्घाटन तथा 6733.670 लाख रुपये की लागत से 11 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने वर्कशॉप का किया मुआयनाः इस दौरान मुख्यमंत्री ने सात निश्चय के तहत 21.60 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सिधवलिया गोपालगंज के प्रशासनिक भवन, कर्मशाला भवन, स्टाफ हॉस्टल, कैंटीन ब्लॉक, प्राचार्य आवास, उप प्राचार्य आवास, चाहरदीवारी, पहुंच पथ, स्थल विकास (वर्ष जल संचयन के साथ), फर्नीचर एवं फर्निशिंग कार्य से संबंधित शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने वर्कशॉप का मुआयना किया। मुख्यमंत्री ने वर्कशॉप में हंड शीयरिंग मशीन, मेटल कटर मशीन, पिलर टाइप ड्रिल मशीन, सेंटर लेथ मशीन द्वारा किए जाने वाले कार्यों के संबंध में जानकारी ली। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोपालगंज के प्रांगण में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के विकास योजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास संबंधित शिलापट्टों का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी सुंदर भवन बन गया है। इसका नियमित रूप से रखरखाव होना चाहिए। यहां स्टाफ के आवासन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि पठन-पाठन का कार्य स-समय होता रहे। यहां विद्यार्थियों के लिए भी हर प्रकार की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु नई तकनीक संबंधित मशीनें लगाई गई हैं।

जीविका दीदियों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

पकड़ी ग्राम में आयोजित जीविका दीदियों से संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल हुए। जीविका दीदियों ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हो रही आमदनी एवं मिल रही सुविधाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रगट करते हुये कहा कि आप जीविका समूहों के माध्यम से हम सभी महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए हम सब आपको धन्यवाद देते हैं। जीविका से जुड़कर न सिर्फ हमारी आमदनी बढ़ी है बल्कि समाज में महिलाओं का मान-सम्मान भी बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने पकड़ी ग्राम के वार्ड संख्या-8 में सामुदायिक भवन सह पुस्तकालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन सह पुस्तकालय का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए ये निर्देशः इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सिधवलिया प्रखंड के ग्राम पकड़ी के पोखरा टोला का भ्रमण कर कराए गए विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जीर्णोद्धार कराए गए पकड़ी पोखर का मुआयना किया। मुआयना के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पकड़ी पोखर में सीढ़ीनुमा घाट का निर्माण कराएं, ताकि आसानी से लोगों की पहुंच पोखर के जल तक हो सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पकड़ी पोखर के समीप पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्ष 2019 में जल-जीवन हरियाली अभियान को शुरू कराया। इसके तहत सभी सार्वजनिक कुओं, तालाबों, पोखरों आदि के जीर्णोद्धार का काम प्रारंभ कराया गया। पकड़ी पोखर भी अच्छे ढंग से बन गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पकड़ी पोखर में मछली का जीरा एवं बत्तखों को छोड़ा। मुख्यमंत्री ने वार्ड संख्या-8 में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत गोपालगंज जिले के कुल 1431 परिवारों को 4 करोड़ 31 लाख 11 हजार 755 रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया।

अभियुक्त को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर जानलेवा हमला, दो सब इंस्पेक्टर सहित एक सिपाही गंभीर जख्मी

केटी न्यूज/दरभंगा

दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाने की पुलिस पर स्थानीय लोगों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। इसमें दो दारोगा सहित एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। हमले के दौरान सब इंस्पेक्टर आरके दूबे और अमित कुमार से सरकारी पिस्टल भी छीनने का प्रयास किया गया। हमले में घायल सिपाही नीतीश कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना के संबंध में बताया जाता है, समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने गई पुलिस को स्थानीय लोगों ने पहले बंधक बनाया और फिर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान हमलावरों ने गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र कुमार को पुलिस गिरफ्त से छुड़ाकर भगा देने में कामयाब हो गए। इस हमले में घायल दोनों सब इंस्पेक्टर का इलाज डीएमसीएच में चल रहा है।

घटना के संबंध में बताया जाता है, समस्तीपुर फैमिली कोर्ट से जितेंद्र कुमार के खिलाफ कुर्की जब्ती करने गई पुलिस ने जैसे अभियुक्त को देखा तो गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने थाने के पुलिसकर्मियों को चारो तरफ से घेर लिया और पत्थरबाजी करते हुए हमला दिया। इसमें दो सब इंस्पेक्टर सहित एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। इस दौरान हमलावरों ने पुलिस की गिरफ्त से आरोपी जितेंद्र कुमार को भगा दिया है। इसके बाद भारी मात्रा में पहुंची पुलिस पर भी पथराव कर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने आत्मरक्षार्थ एक राउंड हवाई फायरिंग करने की बात मौके पर मौजूद सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दोनों वारंटियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। घायल सब इंस्पेक्टर आरके दूबे ने बताया कि समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने लहेरियासराय थाना क्षेत्र के अभंडा मोहल्ले में जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार करने गए थे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते पत्थरबाजी करने लगे, जिसमें हम और दो सब इंस्पेक्टर गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

डीएसपी सदर ने क्या बताया : घटना के संबंध में डीएसपी सदर अमित कुमार ने बताया, लहेरियासराय थाने की पुलिस वारंटी को गिरफ्तार करने गई थी। इस दौरान पहले आरोपी के परिजनों ने मिलकर पुलिस पर हमला करते हुए आरोपी को भगा दिया और पुलिस पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दो सब इंसपेक्टर और एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस पर पथराव भी किया गया है। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दोनों वारंटी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ एक राउंड हवाई फायरिंग भी की है। इस मामले में पथराव करने वालों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान की जा रही है।

23 जिलों में यलो अलर्ट जारी, पटना समेत कई जिलों में घना कोहरा

पटना। पिछले चार दिनों से हाड़ कंपाने वाली ठंड ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। सर्द पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। मौसम विभाग की मानें तो पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। इसका असर ही बिहार समेत आसपास के राज्यों में पड़ा है। पटना, पूर्णिया, भागलपुर, मधेपुरा, गोपालगंज, बक्सर समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। वहीं 23 इलाकों में मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। कहा है कि इन जिलों में कोल्ड वेव चलने के आसार हैं। साथ ही कोहरा भी काफी देर तक छाया रहेगा।

बोले तेजस्वी... प्रशांत किशोर विद्यार्थियों के मुद्दे का कर रहे है राजनीतिकरण

केटी न्यूज/पटना

2 जनवरी से प्रशांत किशोर बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में गांधी मैदान के गांधी मूर्ति के पास आमरण अनशन पर हैं। आमरण अनशन का तीसरा दिन है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रशांत किशोर पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने और अभ्यर्थियों के आन्दोलन को हायजैक कर लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। बिहार के लोगों को पहचानना होगा कि कौन हैं ये लोग, जो लगातार सरकार की बी-टीम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया गया है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों के आंदोलन को एक तरह से खत्म करने का प्रयास किया गया है। प्रशांत किशोर की वैनिटी वैन के संबंध में तेजस्वी यादव ने कहा कि वैनिटी वैन में एक्टर बैठते हैं और निमार्ता और निर्देशक उन्हें बैठाते हैं। हम जानते हैं कि निमार्ता कौन हैं और निर्देशक कौन हैं। हम यह भी जानते हैं कि एक्टर को क्यों बैठाया गया है, यह सबको पता है।

जन सुराज प्रवक्ता ने तेजस्वी यादव पर किया पलटवार : वैनिटी वैन पर सवाल उठाने पर जन सुराज के प्रवक्ता विवेक कुमार ने जवाब देते हुए कहा कि वैनिटी वैन यहां अनशन में बैठे लोगों के वॉशरूम के लिए है। विपक्ष की ये ओछी राजनीति छात्रों के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

दरभंगा से उड़ान भरने वाली सभी 14 फ्लाइट कैंसिल, यात्रियों ने किया हंगामा

केटी न्यूज/दरभंगा

शीतलहर में कोहरे का कहर जारी हो चुका है, जिस कारण विजिबलिटी एकदम कम हो गया है, जिसका सीधा असर विमानों सेवाओं पर दिखने लगा है। बता दें कि ऐसे हालात में दरभंगा एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों को शनिवार के दिन काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बता दें कि दरभंगा से उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट और इंडिगो की सभी 14 आने-जाने वाले विमानों को रद्द कर दिया गया है। ऐसे में दरभंगा एयरपोर्ट से आज के दिन यात्रा करने आए यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, जिस कारण यात्रियों ने काफी हंगामा किया है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उन्हें कम विजिलिटी होने का कारण बताकर विमानों को कैंसिल कर दिए जाने की बात कही है। दूर-दूर से भारी बैग लेकर सफर करने आए यात्रियों को बैरंग अपने घर लौटने को मजबूर होना पड़ा।बता दें कि दरभंगा एयरपोर्ट उड़ान योजना के तहत चालू किया गया था, जो आज भी देश भर में व्यावसायिक तौर पर देश में इस वर्ष भी नंबर वन स्थान पर बना हुआ है। बताया जाता है कि यह एयरपोर्ट 2022-23 में जहां एक करोड़ रुपये का मुनाफा दिया था। वहीं, 2023-24 के सिर्फ अक्तूबर महीने तक आठ करोड़ का मुनाफा सरकार को दे चुका है। फिर आज तक इस एयरपोर्ट पर फ्लाइट के रात में या कम विजिबलिटी लैंड और टेकऑफ करने वाली लाइट सिस्टम को नहीं लगाया जा सका है।

मधेपुरा में नशे की हालत में पकड़ाए दो पुलिस पदाधिकारी निलंबित

मधेपुरा। मधेपुरा में एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है। शराब पीने के आरोप में एक एसआई और एक पीटीसी (सिपाही) को सस्पेंड कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसपी के इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। दरअसल, तीन जनवरी की रात में एसपी संदीप सिंह ने गुप्त सूचना पर गम्हरिया थाने का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में लगाए गए दो पुलिस पदाधिकारी पीटीसी मो. वासिद खान एवं एसआई मनोज कुमार नशे की हालत में पाए गए। ब्रेथ एनेलाइजर से जांच किए जाने पर दोनों के शराब पीने की पुष्टि की गई। दोनों के विरुद्ध गम्हरिया थाना में अप्राथमिकी दर्ज कर करते हुए गिरफ्तार किया गया।

2024-2025 के लिए स्वीकृत की गयी कुल 15343 करोड़ रुपये की अनुदान की राशि

बिहार के ऊर्जा प्रक्षेत्र में असाधारण रही उपलब्धियां

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि वर्ष 2024 में राज्य के ऊर्जा प्रक्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गयी तथा राज्य के लोगों को बिजली की बेहतर सेवा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए गए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजनान्तर्गत राज्य के लोगों को अत्यंत सस्ती बिजली मुहैया करायी जा रही है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए कुल 15343 करोड़ रुपये की अनुदान की राशि स्वीकृत की गयी। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि कृषि कार्य के लिए निर्धारित बिजली दर में राज्य सरकार द्वारा 92 प्रतिशत अनुदान दिए जाने के फलस्वरूप अब किसानों को मात्र 55 पैसे प्रति यूनिट बिजली का खर्च पड़ता है, जिससे अब बिजली से सिंचाई करना डीजल तुलना में दस गुणा से भी अधिक सस्ता है।

किसानों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन दी जा रहीः मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री कृषि विद्युत सम्बन्ध योजना के अंतर्गत राज्य के किसानों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन दी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में कुल 1.50 लाख कृषि विद्युत संबंध के लक्ष्य को माह दिसम्बर 2024 में ही पूर्ण कर लिया गया है। उन्होने बताया कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुँचाना है। अतः किसानों को नि शुल्क कृषि संबंध दिये जाने के निर्धारित लक्ष्य को समय से पहले पूरा कर लेने हेतु रणनीति बनायी जा चुकी है। इसके साथ ही अलग कृषि फीडरों का निर्माण भी तेजी से किया जाना है। साथ ही कृषि फीडरों का सोलराइजेशन कार्य भी वर्ष 2025 के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। मंत्री द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष कजरा (लखीसराय) में 254 मेगावाट आवर बैट्री एवं 185 मेगावाट का सौर परियोजना तथा देश की सबसे बड़ी बैटरी भंडारण परियोजना (254 मेगावाट आवर) का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

इस वर्ष 11.00 लाख सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का लक्ष्य रखा गयाः ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जल जीवन हरियाली अभियान अंतर्गत राज्य के सरकारी भवनों पर ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर परियोजना का अधिष्ठापन किया गया जा रहा है। जिसके तहत माह दिसम्बर 2024 तक कुल 10433 सरकारी भवनों पर 94.34 मेगावाट के तथा कुल 5683 निजी भवनों पर भी अब तक 21 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट का अधिष्ठापन किया जा चुका है।

कलेक्ट्रेट में मचा भगदड़ : सदर एसडीएम ने उठाया डंडा और सगे भइयों को पीटा; दोनों पर प्राथमिकी

- कलेक्ट्रेट में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज है एसडीएम व बॉडीगार्ड के मारपीट का फुटेज
- दोनों भाइयों पर हथियार छीनने का लगाया आरोप, भेजा जेल

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में उस समय भगदड़ मच गई, जब सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा स्वयं डंडा लेकर दो सगे भाइयों को पीटने के लिए दौड़ पड़े। एसडीएम ने दोनों सगे भइयों को जमकर पर पीटा। यहीं नहीं दोनों युवकों को पीटने में चंदन कुमार समेत उनके दो बॉडीगार्ड ने कलेक्ट्रेट के पोटीको से पीटते हुए उन्हें एक कमरे में ले गए और वहां भी उनकी जमकर पिटाई की। घटना के बाद मामले की जानकारी टाउन थाना पुलिस को दी गई। जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया और थाने ले गई। जिसके बाद एसडीएम के बॉडी गार्ड के दिए आवेदन पर दोनों सगे भाइयों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह पूरा माजरा शुक्रवार दोपहर की है। यह घटना कलेक्ट्रेट में आए दर्जनों अधिकारियों व कर्मियों के साथ आम लोगों की सामने की है। जो कलेक्ट्रेट के सीसीटीवी फुटेज में भी कैद है।

बताया जाता है कि इटाढ़ी प्रखंड के साथ गांव निवासी दिनेश कुमार, मित्रलोक कॉलोनी में रहते हैं। जो बीएमपी-5 गया के बेला गंज में पदस्थापित हैं। शुक्रवार को उनका छोटा बेटा मोनू कुमार स्टेशन रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप उसने अपनी कार लगाई। जैसे ही मोनू कुमार गाड़ी से निकलने के लिए गेट खोला, बगल में जा रहे एक बुजुर्ग अनियंत्रित होकर गिर पड़े। जैसे ही उसने बुजुर्ग को उठाया, तो एसडीएम धीरेंद्र कुमार मिश्र के बॉडीगार्ड चंदन कुमार और एक जवान गाड़ी से उतरे और बिना कुछ पूछे ही मोनू की पिटाई शुरू कर दी। मोनू बार बार बॉडीगार्ड से मारने का कारण पूछ रहा था, लेकिन बॉडी गार्ड अपनी धमक दिखाने के लिए उसे बुरी तरह से पीटता जा` रहा था। उसके बाद दोनों बॉडी गार्ड एसडीएम की गार्ड में बैठ कलेक्ट्रेट निकल गए।

कलेक्ट्रेट में भी दोनों भइयों को जमकर पीटा : घटना के बाद मोनू कुमार ने उनकी गाड़ी का पीछा किया और कलेक्ट्रेट अपने बड़े भाई विकास कुमार बुलाया। जिसके बाद दोनों भाई बॉडीगार्ड से मारपीट का कारण पूछने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां बॉडीगार्ड पोटीको के सामने स्थित पार्क में खड़ा था। जब दोनों भाइयों ने पिटाई का कारण पूछा तो बॉडी गार्ड उनसे धक्का मुक्की करने लगा। यह देख वहां के लोग बीच बचाव करने लगे। उसके बाद पोटीको में बॉडी गार्ड अपने साथी गार्ड के साथ दोनों भइयों की पिटाई करने लगे। इसबीच सदर एसडीएम धीरेंद्र भी हाथ में डंडा लेकर दोनों भइयों पर टूट पड़े। यह देख वहां खड़े लोग हतप्रद्ध हो उठे। इस बीच दोनों भाइयों का सिर्फ यही कहना था कि उन लोगों ने मोनू को क्यों मारा, इसका कारण बताएं। उसके बाद दोनों भाइयों को एक कमरे ले जाकर पीटा गया। वहीं, मामले की सूचना टाउन थाना को दी गई, जिसके बाद दोनों युवकों को हिरासत में लेकर उन्हें थाना लाया गया।

मारपीट और हथियार छीनने का दर्ज कराया गया है एफआईआर

मामले में टाउन थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सदर एसडीएम के बॉडीगार्ड चंदन कुमार ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें दोनों युवकों पर ड्यूटी के दौरान मारपीट, वर्दी फाड़ने और सरकारी हथियार छीनने के प्रयास करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार करते हुए उन पर केस दर्ज किया गया। वहीं, कागजी कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

परिजन बोले- कोर्ट पर है पूरा भरोसा, कराएंगे सीसीटीवी फुटेज की जांच

वहीं, दूसरी ओर दोनों युवकों के परिजनों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी के दबाव में आकर भले ही पुलिस ने उन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। लेकिन, वो न्यायालय में अपना पक्ष रखेंगे। कोर्ट पर उन्हें पूरा भरोसा है। वो न्यायालय के समक्ष कलेक्ट्रेट और बैंक में लगे सीसीटीवी के फुटेज की जांच कराने की मांग करेंगे। ताकि, सभी को सच का पता चल सके।

खबरें फटाफट

डुमरांव में गिरफ्तार हुए दो वारंटी, जेल

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने सगे भाईयों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उनपर न्यायालय से वारंट निर्गत हुआ था, जिसमें वे लंबे समय से फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार की रात उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान छठिया पोखरा निवासी विजय सिंह के पुत्र धनु कुमार व मनु कुमार के रूप में की गई है। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों के खिलाफ न्यायालय से वारंट निर्गत हुआ था, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

धान के बोझे में लगी आग, फसल राख

केसठ। क्षेत्र के पोखरा टोला गांव में शुक्रवार की रात अचानक खलिहान में आग लगने से करीब डेढ़ बीघा का रखा धान का बोझा व एक बीघे का पुआल जल कर राख हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पोखरा टोला गांव निवासी मनोज पासवान, राजू पासवान दोनों भाई डेढ़ बीघा धान का बोझा व एक बीघे का पुआल रखे थे। अचानक रात में आग लगने से धान का बोझा व पशुचारा के लिए रखा पुआल जल कर राख हो गया। उक्त किसान जब सुबह खलिहान में देखा तो धान का बोझा व पुआल जल गया है। आग लगने का कारणों का पता नही चल पाया है। ग्रामीणों ने बताया कि संयोग अच्छा था नहीं तो बगल में रखे अन्य किसानों का धान जल सकता था।

बोले पीड़ित गणेश चौबे... थाना में उसके साथ की जाती थी बदतमीजी

एक घंटा थाना में बैठाने के बाद सदर एसडीएम ने दिया था 10-4 का ऑफर

- महज दो माह में ही बेच दी गई चार बीघा से अधिक की भूमि
- पीड़ित के जमाबंदी पर रोक लगवाने के बाद राजस्व एडीएम ने गणेश चौबे के पक्ष में जमाबंदी करने का जारी किया था फरमान

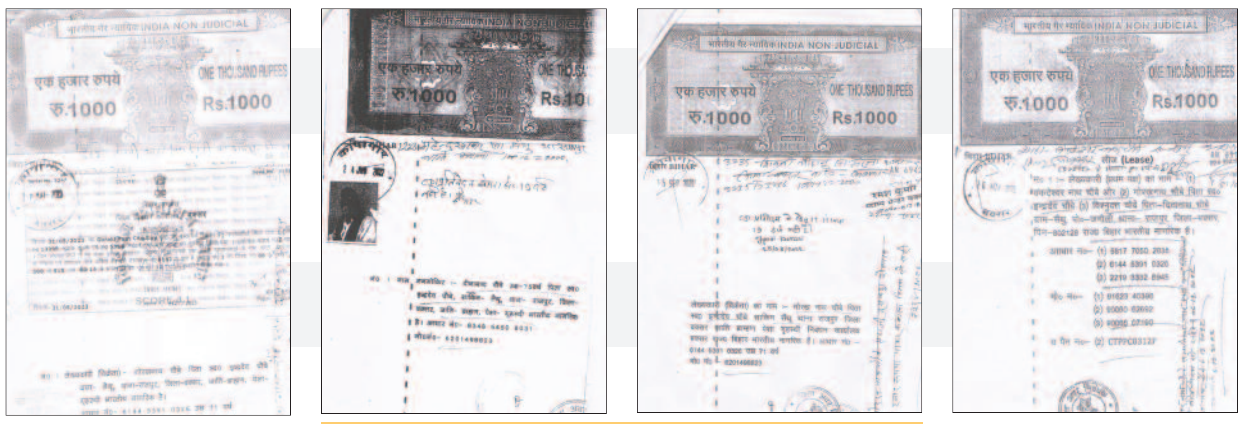

केटी न्यूज/बक्सर

सदर एसडीओ की कार्य प्रणाली परत-दर-परत खुलती जा रही है। पीड़ित गणेश चौबे के अनुसार भूमि विवाद का निपटारा करने के लिए सदर एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा 28 दिसंबर को राजपुर थाना पहुंचे थे। वहां करीब एक घंटे तक गणेश चौबे से जुड़े मामले व दस्तावेज के संबंध में बात करते रहे। अंत में उन्होंने पीड़ित गणेश चौबे का ऑफर दिया था कि सामाजिक स्तर पर इसका निपटारा कर लिजिए। दस एकड़ गणेश चौबे अपने पास रख लें। जबकि चार एकड़ विरोधी को दे दें।

हालांकि बाद में इस रहस्य पर से पर्दा उठा कि वर्ष 2022 में जब गणेश चौबे के बजाए उनके विपक्षी ने राजपुर सीओ की मिली भगत से जमाबंदी अपने नाम पर कर ली थी। उक्त जमाबंदी को दिखाकर ताबड़तोड़ भूमि बेचना शुरू कर दिया था। करीब चार एकड़ के आसपास भेज बेच दी या लीज पर दे दिया था। इसकी जानकारी होने पर पीड़ित गणेश चौबे ने जमाबंदी पर रोक लगवाई। जिस कारण बेची हुई जमीनों का दाखिल खारीज नहीं हो पाया। अपर समाहर्ता कुमारी अनुपमा ने गणेश चौबे के पक्ष में जमाबंदी करने एवं विरोधी का जमाबंदी रद्द करने का आदेश दिया। ऐसे में मामला पूरे पेंच में फंस गया।

चार एकड़ भूमि का गड़बड़ झाला हो चुका है : वहीं एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने दस-चार का ऑफर किस आधार पर दिया था। उन्हें इस बात की पूरी जानकारी थी कि चार एकड़ भूमि का गड़बड़ झाला हो चुका है। हालांकि यह सब तथ्य जांच के बाद भी खुल पाएगा। पीड़ित ने बताया कि जब जमाबंदी उनके नाम पर थी और उन्हें अपनी भूमि फसल नहीं काटने नहीं दिया जा रहा था। विरोधी लगातार भूमि पर जाने से रोक रहे थे। किसी तरह का विवाद नहीं हो। इस कारण सदर एसडीएम के यहां गए थे। अपनी बात रखी थी। एसडीओ ने 14 दिसंबर को जनता दरबार में दोनों पक्षों को बुलाया था। वहां पर बात सुनी गई। इसके बाद 28 दिसंबर राजपुर थाना में लगने वाले जनता दरबार में खुद आए। उस दिन करीब विवाद के मामले सुने थे। जिसमें सबसे अधिक तक इसी वाद पर समय था। पीड़ित का कहना है कि सबसे आश्चर्य की बात रही कि दिए गए किसी भी दस्तावेज की जांच नहीं करायी गई। इसके बाद 30 दिसंबर को अपना फैसला दे दिया था।

थानेदार करते थे बदतमीजी : पीड़ित गणेश चौबे ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि जब भी मैं राजपुर थाने में अपनी बात लेकर जाता था थानेदार बदतमीजी से पेश आते थे। मेरी उम्र का कोई ख्याल नहीं रखा जाता था। मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया जाता था जैसे मैं कोई बहुत बड़ा अपराधी हूं। वहीं जब मेरे विरोधी थाना में जाते थे। तब उन्हें बहुत की अदब के साथ बैठाया जाता था। उन्हें चाय भी पिलायी जाती थी।

ऐसे समझे पूरा मामला

बता दें कि सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने डीएम व एडीएम के आदेश को पलटने का मामला सामने आया है। राजपुर थाना क्षेत्र के सैंथू गांव निवासी पीड़ित गणेश चौबे ने पुस्तैनी 14 एकड़ की भूमि को तत्कालीन सीओ की मिली भगत से दूसरे के नाम पर जमाबंदी कर दी थी। पीड़ित को जब इसकी जानकारी मिली थी तब वह लोक शिकायत में परिवाददायर किए थे। मामले की जांच तत्कालीन डीएम अमन समीर ने कराया था। जिसमें तत्कालीन सीओ की गड़बड़ी सामने आयी थी। डीएम ने जमाबंदी सुधार करने के लिए एडीएम के पास भेज दिया था। करीब एक साल तक एडीएम कोर्ट में परिवाद चला था। सभी पक्ष व दस्तावेज देखने के बाद एडीएम कुमारी अनुपमा ने गणेश चौबे के पक्ष में फैसला दिया था। साथ ही उनके नाम पर जमाबंदी करने का आदेश राजपुर सीओ को दिया था। आदेश के बाद राजपुर सीओ ने गणेश चौबे के नाम पर जमाबंदी लागू कर दिया था। वहीं इस पूरे आदेश के विरोध में एसडीएम मिश्रा ने अपना फैसला दे दिया।

एक नजर

चौगाई सीएचसी में पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों व कर्मियों की कराई जाएगी तैनाती: सांसद

चौगाई। बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने शनिवार को चौगाईं सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से अस्पताल के सभी कक्षों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल कर्मियों की तत्परता देख सांसद खुश नजर आए। हालांकि पीएचसी से सीएचसी में अपग्रेड होने के बावजूद यहां सीएचसी जैसी सुविधाएं देखने को नहीं मिली। मसलन मानक के अनुरूप डॉक्टर तथा स्वास्थ्य कर्मियों की कमी नजर आई। इसके अलावे अल्ट्रा साउंड व ईसीजी की सुविधा भी नदारद थी। पूछने पर पता चला कि इसके लिए टेक्निसियन की बहाली नहीं की गई है। सांसद ने कहा कि इस अस्पताल को सीएचसी के मानक के अनुरूप डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी तथा अन्य संसाधन मुहैया कराने के लिए वे सरकार से बात कर अविलंब बहाली कराएंगे। उन्होंने कहा कि जल्दी ही वे इस अस्पताल में अल्ट्रासाउंड व ईसीजी जांच कराने की व्यवस्था का प्रयास भी करेंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों को मानकों के हिसाब से सुविधाएं मिलनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ चौगाईं के चर्चित राजद नेता बद्री सिंह, नावानगर प्रमुख अंकित यदुवंशी मौजूद थे। वही चौगाईं सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मितेन्द्र सिंह, डॉ. पंकज कुमार, बीसीएम विकास कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

एसजेवीएन में नौकरी लगाने के नाम पर करोड़ों की ठगी मामले में प्राथमिकी दर्ज

बक्सर। चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण कार्य में जुटी एसजेवीएन कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर सैकड़ो छात्रों से करोड़ो की ठगी मामले में डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर मुफस्सिल थाने में सामूहिक रूप से एफआईआर दर्ज कराया गया है। एफआईआर दर्ज होते ही पीड़ित छात्रों को अब न्याय मिलने की उम्मीद जग गई है। वहीं, पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच व जालसाजों के गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। छात्रों ने इस मामले में सिकरौल थाना क्षेत्र के तेतरहर गांव निवासी सिद्धेश्वर यादव के पुत्र रंजन यादव, उसके जीजा अजय कुमार सिंह पिता स्व. सूरज सिंह तथा रंजन के साला व पत्नी पर सुनियोजित तरीके से एसजेवीएन कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ो रूपए ठग लेने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर के आवेदन पर कुल 102 छात्रों ने हस्ताक्षर किए है। बता दें कि जिले में यह ठगी का काफी अनोखा मामला है, जिसमें सैकड़ो छात्रों से सुनियोजित तरीके से ठगी किया गया है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ठगी के शिकार छात्रों को एक साल तक कुछ पता नहीं चल पाया था कि वे जालसाजों के चंगुल में फंस गए है, लेकिन जब छात्रों ने कंपनी में नौकरी दिलाने व एसजेवीएन के किसी अधिकारी से बात कराने का दबाव डाला तो जालसाजों ने इन्हें एसजेवीएन का फर्जी एप्वाइंटमेंट लेटर थमा दिल्ली, नेपाल व भुटान तक भेजा गया। वहां जाने के बाद छात्रों को पता चला कि एसजेवीएन द्वारा न तो ऐसा कोई रिक्रुटमेंट किया गया है और न ही यह ज्वाइनिंग लेटर सही है। इसके बाद पीड़ितों के पैरतले जमीन खिसक गई। जालसाजों ने उन्हें एसजेवीएन कंपनी में सिविल इंजिनियर बनाने का झांसा दे एक से पांच लाख रूपए की ठगी प्रत्येक छात्रों से की थी।

रेडक्रास में 200 मरीजों की हुई जांच

बक्सर। रेडक्रॉस भवन में रेडक्रॉस सोसाइटी बक्सर के सदस्य एवं संरक्षक स्व. राजेंद्र पांडेय की स्मृति में मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार मिश्र ने किया। वहीं चेयरमैन सुरेश अग्रवाल एवं सचिव डॉ. श्रवण तिवारी, वाइस चेयरमैन सौरभ तिवारी और सुमित मानसिंहका आदि ने पुष्प गुच्छ से अतिथि को सम्मानित किया।

जांच शिविर में करीब 200 लोग उपस्थित हुए, जिसमें 50 लोगों के आंख के ऑपरेशन हेतु चयन किया एवं 100 लोगों को चश्मा एवं दवाई उपलब्ध कराया गया। रेडक्रॉस के इस कार्य की अनुमंडल पदाधिकारी ने प्रशंसा करते हुए सोसायटी को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दिया। चेयरमैन सुरेश अग्रवाल एवं सचिव श्रवण तिवारी ने कहा कि सोसायटी पीड़ित मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहती है। रेडक्रॉस के द्वारा इस शिविर का संचालन तीन दिनों तक किया जाएगा। मौके पर रेडक्रॉस सदस्य दौलत गुप्ता, निसार अहमद ओमजी यादव, सचिन कुमार राय, राजीव सिंह, अविनाश जायसवाल समेत कई अन्य उपस्थित थे।

राजपुर में हुई हत्या के विरोध में परिजनों ने बक्सर-कोचस मार्ग को तीन घंटे किया जाम

- बीडीओ व थानाध्यक्ष के समझाने पर जाम हटा, पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर के भरखरा गांव में नए साल के पहले दिन हुई हत्या के मामले को लेकर शनिवार की सुबह मृतक संजय पासवान के परिजनों ने ग्रामीणों को लेकर बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग पर भरखरा के पास शव रखकर मुआवजा के साथ साथ अन्य फरार हत्यारोपियों की गिरफ्तारी व सुरक्षा की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया और जमकर नारेबाजी की। इस जाम के चलते सुबह से दोनो तरफ वाहनों की लम्बी कतार लगी रही। जिससे यात्रियों और स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वही, जाम की जानकारी पर पहुंचे बीडीओ सिद्धार्थ कुमार व थानाध्यक्ष संतोष कुमार के समझाने के बाद जाम हटाया गया।

साजिश के तहत की गई है हत्या: जाम कर रहे परिजनों द्वारा बताया गया कि यह हत्या का मामला साजिश के तहत की गई। उनका दावा है कि संजय पासवान की हत्या में एक नहीं बल्कि कई अन्य लोग भी शामिल हैं। उनका कहना है कि संजय इतना मजबूत व्यक्ति था कि अकेला कोई उसकी हत्या नहीं कर सकता था। इस हत्या में अन्य कई लोग शामिल है जो फरार है, जिन्हें गिरफ्तार किया जाय। साथ हो मृतक के परिजनों को मुआवजा के साथ सुरक्षा की व्यवस्था की जाय। इस जाम की जानकारी पर बीडीओ सिद्धार्थ कुमार और थाना अध्यक्ष संतोष कुमार जाम स्थल पर पहुंचे। जहा जाम कर रहे लोगों को समझाने के बाद जाम हटाया गया।

थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि इस घटना के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सदर अंचल कार्यालय में 10 रूपए ले पांच डिसमिल जमीन दिलाने का भराया जा रहा था फार्म, बोले सीओ...

पांच डिसमिल जमीन दिलाने के मामले में कराएंगे जांच

- पूर्व में चर्चित किसान नेता राणा रंजीत सिंह भी कर चुके है ऐसा

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को सदर अंचल कार्यालय में अचानक सैकड़ो की संख्या में महिलाए इकट्ठा हो गइ थी। उन्हें डुमरांव अंचल के अरियांव गांव निवासी सुरेन्द्र प्रसाद उपाध्याय नामक एक व्यक्ति ने पांच डिसमील जमीन दिलाने का लालच दे फार्म भरवा रहा था तथा प्रति फार्म 10 रूपए की वसूली कर रहा था।

देखते ही देखते अंचल के आरटीपीएस काउंटर पर 146 फार्म जमा हो गए। इस दौरान किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। लेकिन जब मीडिया के माध्यम से बीडीओ साधु शरण पांडेय को इसकी जानकारी मिली तो वे वहां पहुंच महिलाओं को समझा बुझाकर वहां से हटाया।

वहीं, जब उस व्यक्ति से पूछा गया कि किस योजना के तहत महिलाओं को जमीन दिलवाई जाएगी तो वह पहले तो टाल मटोल करने लगा, फिर कहा कि वह फार्म भरवा सरकार से महिलाओं को पांच डिसमील बासगीत जमीन दिलाने की मांग करेगा। उसने कहा कि सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन अभियान बसेरा के तहत भूमिहीनों को सरकार जमीन दे रही है। जिसे देखते हुए अब सरकार से पांच डिसमील जमीन दिलाने की मांग की जाएगी। उससे जब यह पूछा गया कि वह पैसा क्यों ले रहा है, तो उसने बताया कि इस लड़ाई को लड़ने में बहुत खर्च आएगा। बक्सर से पटना तक दौड़ लगानी पड़ेगी। जिस कारण पैसा लिया जा रहा है। मामले में अंचलाधिकारी प्रशांत शांडिल्य ने बताया कि इन आवेदनों की जांच की जा रही है, ताकि सही जानकारी सामने आ सकें और इस मामले में कार्रवाई की जा सके। वैसे पूरे दिन प्रखंड कार्यालय में इसकी चर्चा होते रही।

बता दें कि कुछ वर्ष पूर्व चौगाईं निवासी व चर्चित किसान नेता राणा रंजीत सिंह ने भी हजारों महिलाओं को जमीन दिलवाने के लिए 10 रूपए लेकर फार्म भरवाए थे, लेकिन उस मामले में आज तक कुछ नहीं हो सका है।

नगर परिषद सख्त: खुले में मांस बिक्री करने वालों पर लगेगा जुर्माना

♦ खुले में मांस बिक्री करने वालों पर नकेल कसने की तैयारी में जुटा नप, थमाएगा नोटिस

केटी न्यूज/डुमरांव

फाइल फोटो।

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में खुले में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध नहीं लग पाया है। शुक्रवार को भी पूरे दिन शहर के विभिन्न इलाकों में सड़क किनारे कटे मांस, मछली व मुर्गे की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही थी।

हालांकि अब नगर परिषद प्रशासन इस पर सख्त हो गया है। नप खुले में मांस, मछली बेचने वालों पर जुर्माना लगाएगा, इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। नगर परिषद अब ऐसे लोगों को चिन्हित करने के प्रयास में जुट गया है, जो खुले में मांस की बिक्री करते है। नगर परिषद उनको नोटिस थमा वहां से दुकान हटाने का निर्देश देगा तथा निर्धारित समय तक दुकान नहीं हटाने वालों पर जुर्माना लगाते हुए प्रशासन उनकी दुकान को खुद हटाएगी।

शुक्रवार को नगर परिषद के ईओ मनीष कुमार ने इस संबंध में बताया कि मातहतों को सड़क किनारे खुले में मांस मछली बेचने वालों को चिन्हित कर नोटिस देने का निर्देश दिया गया है। जल्दी ही उन्हें नगर परिषद का नोटिस मिल जाएगा।

नये जगहों पर पांव पसारने लगे है मांस विक्रेता : एक तरफ नगर परिषद प्रशासन खुले में मांस मछली बेचने वालों पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है तो दूसरी तरफ मांस विक्रेताओं का दायरा बढ़ते ही जा रहा है। शुक्रवार को ही स्टेशन के करीब स्थित आरएमएस कार्यालय के पास एक विक्रेता नया दुकान खोल बैठा। जिसे देख स्थानीय निवासियों ने उससे आपत्ति भी जताई, बावजूद वह पूरे दिन अपना दुकान खोल कटे मांस व मुर्गे की बिक्री करते रहा। स्थानीय निवासी संटू मित्रा ने बताया कि उसे कई बार मना किया गया, लेकिन वह नहीं माना। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत जल्दी ही नगर परिषद व अनुमंडल प्रशासन से कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि खुले में मांस बेचने के लिए खिलाफ जल्दी ही शहर के युवा चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। बता दें कि नगर परिषद के स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर बनाए गए अजय राय ने भी इस पर आपत्ति जताई है तथा ईओ से तत्काल इस पर रोक लगाने की मांग भी की है।

स्वच्छता अभियान में बाधक

“ खुले में मांस-मुर्गा की बिक्री स्वच्छता अभियान में बाधक है, नगर परिषद द्वारा वधशाला बनवाया गया है, जहां कटे मांस मछली की बिक्री की जाती है। विक्रेताओं को वही जाकर अपना व्यवसाय करना चाहिए। खुले में मांस- मछली बेचने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। जल्दी ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

– मनीष कुमार, ईओ,
नगर परिषद, डुमरांव

एक नजर

ओझा बरांव तक जाने वाली सड़क के घटिया निर्माण पर भड़के ग्रामीण, जताया आक्रोश

चौगाई। मसर्हिया पुल से ओझा बरांव गांव तक जाने वाली सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग से यह सड़क बनने के साथ ही उखड़ने लगी है। जिस कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। शनिवार को ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर एकजुट हो आक्रोश जताया तथा कहा कि इसकी शिकायत वरीय अधिकारियों से की जाएगी। जबकि पूर्व मुखिया विनोद ओझा ने इस मामले को लोक शिकायत में ले जाने की बात कही है। बता दें कि मसर्हियां पुल से ओझा बरांव तक जाने वाली लगभग दो किलोमीटर लंबी नहर मार्ग का निर्माण कार्य बहुत इंतजार के बाद शुरू हुआ है। सड़क निर्माण शुरू होने से ग्रामीणों में काफी खुशी की लहर दौड़ गई थी। उन्हें लगा था कि अब उन्हें जर्जर सड़क से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन निर्माण कार्य में लगे संवेदक द्वारा मानको को ताक पर रख निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसका नतीजा है कि आगे से यह सड़क बन रही है तो पीछे से उखड़ते जा रही है। वही, संवेदक द्वारा इस पर योजना का प्राक्कलन बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि इस सड़क का निर्माण किस योजना से कराया जा रहा है तथा इसकी प्राक्कलित राशि कितनी है। ग्रामीणों का कहना है कि दोयम दर्ज का काम कर योजना की राशि लूटने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

धनसोई में युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के परसदा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है हालांकि, पुलिस मामले की हत्या की एंगल से भी जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार धनसोई थाना के परसदा गांव निवासी 25 वर्षीय चतुरी चौधरी की पत्नी ने यह बताया कि असहनीय पेट दर्द के कारण उनकी मौत हो गई, जबकि, ग्रामीणों में इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं है। कोई हत्या की तो कोई आत्महत्या की बात कर रहा है। हालांकि, इस घटना को लेकर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहा घटना की जानकारी मिलते ही धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह व एफएसएल की टीम को लेकर स्वयं मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस का कहना है कि मृतक के गले में कुछ निशान भी पाए गए हैं। ऐसे में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है, जल्द ही मामले की जांच पूरी कर ली जाएगी। थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने बताया की मामले की जानकारी के बाद पुलिस के साथ एफएसएल टीम पहुंच मामले की जांच की गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कह जा सकता है कि चतुरी की मौत हत्या है या आत्महत्या।

खबरें फटाफट

अगलगी की घटना में लाखों की संपत्ति राख

सिमरी। शनिवार की सुबह नियाजीपुर पंचायत के अभिलाख के डेरा गांव निवासी भीखन राम घर में आग लग गई। जिसमें कच्चा मकान सहित हजारों की संपत्ति जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। इस संदर्भ में पीड़ित ने बताया कि शनिवार की सुबह झोपड़ीनुमा घर में धुंआ भरने के कारण खलबली मच गई और बाहर निकलकर देखा तो पूरा घर आग में जल रहा है। किसी तरह वह परिवार के लोगों के साथ घर से बाहर निकल पाए। मकान सहित हजारों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। घर के लोगों की आवाज सुनकर ग्रामीण भी पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि झोपड़ीनुमा घर के पास पुआल में आग लगने के कारण इतना बड़ा नुकसान हुआ। आग इतनी तेज थी कि आसपास के घर भी इसके प्रभाव में आने लगे लेकिन ग्रामीणों की अथक प्रयास के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया आ गए घटना की जानकारी के पश्चात मौके पर पहुंचे ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ यादव ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता किया तथा सीओ भगवती शंकर पाण्डेय से अविलंब सरकारी सहायता देने का निर्देश दिया।

बच्चों को शीत लहर से बचाव की मिली जानकारी

केसठ। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालयों में बच्चों को विभिन्न प्रकार की जानकारियां दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाध्यापकों ने किया। इस दौरान बच्चों को शीत लहर से बचाव को लेकर विस्तार से जानकारियां दी गई। ताकि बच्चे ठंड में सुरक्षित रह सके। कन्या प्राथमिक विद्यालय केसठ में पूर्व संकुल समन्वयक मनोज कुमार ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें। विशेष परिस्थितियों में घर से गर्म कपड़े पहनकर निकले। वही गर्म पानी पीने एवं ताजा भोजन करने को लेकर सवाल दी ।ठंड के मौसम में जब धूप निकले तो धूप जरूर लें।

जिलाधिकारी ने केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट व परसनपाह पंचायत सरकार भवन का किया निरीक्षण

केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट जिले की सबसे बड़ी परियोजना, शीघ्र होगी चालू

केटी न्यूज/सिमरी

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शनिवार को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत परसनपाह सरकार पंचायत भवन एवं केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया इस दौरान मिडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे सरकार की योजनाओं का निरीक्षण नियमित हमारे द्वारा नियमित किया जाता हैं इसलिए परसनपाह पंचायत सरकार भवन जो क्रियान्वयन हैं तथा आधुनिक सुविधाओं से लैंस होकर तैयार किया जाना आपेक्षित हैं इस पंचायत सरकार भवन में बिजली की खपत से बचने के लिए सोलर पैनल,एवं बच्चों एवं विकसित समाज के लिए डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा डाकखाना, मनरेगा के माध्यम से नक्षत्र वाटिका एवं रोज गार्डन बनकर लगभग तैयार हैं।

जिला के अन्य पंचायत सरकार भवन के अपेक्षा एक मॉडल रहेगा बहरहाल मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पुछे गए सवाल पर उन्होंने बताया की माननीय मुख्यमंत्री जी का प्रगति यात्रा प्रदेश मे चल रहा हैं लेकिन अभी तक बक्सर जिला में मुख्यमंत्री जी का आगमन को लेकर कोई जानकारी प्रशासनिक स्तर पर उपलब्ध नहीं जैसे सी मुख्यमंत्री जी आगमन का जानकारी प्राप्त होता मिडिया के माध्यम से साझा किया जायेगा।

केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट सबसे बड़ी योजना : जिलाधिकारी ने केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान कहा कि अर्सैनिक पानी से मुक्ति के लिए लगातार कार्य किया जा रहा हैं जो लगभग अब शुद्ध पानी देने के लिए आतूर हैं जिला के सबसे बड़ी योजना हैं जिसकी क्रियान्वयन किया जा रहा हैं काफी हदतक कार्य किया जा चूका हैं लेकिन अभी भी प्रगति का अपेक्षा हैं ताकि जितना जल्द लोगों को शुद्ध पानी मिल सकें।

पीएचडी के आकड़ों के अनुसार 90 प्रतिशत कार्य पूरा : केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट से सिमरी ,बक्सर,चक्की प्रखंड के अंतर्गत 214 वार्डों के लिए शुद्ध पानी पहुंचाने की लक्ष्य लगभग 36000 हजार घरों तक हैं जिसमें पीएचडी के आकड़ों के अनुसार लगभग 90 प्रतिशत घरों शुद्ध पानी की पाइपलाइन एवं टोटी लगा दिया गया हैं हालांकि ऐसा पीएचडी का आकड़ा बताया जा रहा हैं लेकिन ग्रामीण जनता की माने तो मात्र 40प्रतिशत ही कार्य अबतक पूरा हुआ हैं

वहीं, मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिकांत शर्मा, अंचलाधिकारी भगवती शंकर पाण्डेय, थानाध्यक्ष कमल नयन पाण्डेय व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रोजेक्ट मैनेजर पर बिफरे जिलाधिकारी

क्रियान्वयन की जानकारी देने के पश्चात जब जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का प्रोजेक्ट मैनेजर उमेश चंद्रा से प्रगति कार्य की जानकारी मांगा तो उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट का लगभग 90 प्रतिशत घरों में पानी का संचालन शुरू करने की प्रथम ट्रायल किया गया हैं। इसपर जिलाधिकारी ने जैसे ही प्रशंसा के लिए आंखें घुमाई मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने प्रोजेक्ट मैनेजर की बातें को काटते हुआ जिलाधिकारी को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए कहा की मात्र 40 प्रतिशत घरों में ही पानी की कनेक्शन किया गया हैं, प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा आपको भ्रमित किया जा रहा हैं। जिसके बाद जिलाधिकारी आगबबूला होकर प्रोजेक्ट मैनेजर को खुब खरीखोटी सुनाई।

प्रस्तावित लाईब्रेरी में बुजुर्गों के लिए रहेगी अलग व्यवस्था, जगह की तलाश जारी: उप मुख्य पार्षद

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल मुख्यालय में नहीं वाचनालय है और नहीं कोई पुस्तकालय, जहां छात्र-छात्रा बैठ पढ़ाई कर सकें। इतना ही नहीं जो नौकरी से अवकाश प्राप्त कर गए है या वैसे लोग जो देश-दुनिया की खबरों को जानना चाहते हैं, उनके बैठकर कुछ लिखने पढ़ने के लिये कोई पुस्तकालय नहीं है। नगर परिषद के पिछली बोर्ड की बैठक में उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर ने इस पर सवाल उठाते हुए एजेंडा में शामिल किया था। एजेंडे में शामिल होने की बात जब नगर के लोगों और विद्यार्थियों को मालूम हुई तो काफी खुश हुए थे। उनकी वर्षों की मांग को नगर परिषद में उठाकर उसे एजेंडे में शामिल कर लिया गया।

उप मुख्य पार्षद ने बताया कि हां इसे उठाया गया है और एजेंडे में शामिल भी कर लिया गया है। उन्होंने इसके अग्रत्तर कार्रवाई पर बताया की जगह की तलाश हो रही है। चार पुस्तकालय कहां-कहां खोला जाएगा, इस बात का खुलासा करते हुए उन्होंने बताया की दो डुमरांव नगर में आर एक-एक नया और पुरानभोजपुर में खोले जाएंगे। वैसे स्थानों की तलाश की जा रही हैं, जहां पुस्तकालय बने वहां पर लोग असानी से पहुंच सकें इस संबंध तैयारी भी चल रही है। मालूम हो कि पढ़ने-लिखने वाले, नौकरी की तैयारी करने वालों के साथ अवकाश प्राप्त लोगों और बुजुर्गों के बैठने के लिये ऐसा कोई स्थान शहर में नहीं है। दिन ढलते ही बुजुर्ग लोग घरों में दुबक जाते हैं। वहीं छात्र-छात्रा और नौकरी की तलाश करने वाले ऐसी जगहों के लिये भटकते रह जाते हैं।

विस्तारित क्षेत्रों में रोड और घर की सुविधा देने की तैयारी नप ने की शुरू

नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में बिछेगा सड़कों एवं नालियों का जाल: सुमित गुप्ता

♦ नवाडेरा गांव के मुख्य मार्ग का निर्माण शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र में सड़कों व गलियों का जाल बिछाया जाएगा, ताकी लोगों को आवागमन में कठिनाई न हो तथा उन्हें जलजमाव की समस्या न झेलनी पड़े। उक्त बाते शनिवार को नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने नवाडेरा में मुख्य मार्ग के शिलान्यास के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि विस्तारित क्षेत्र समेत संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र के विकास का संकल्प वे शीघ्र पूरा करेंगे। इसकी कवायद शुरू भी हो गई है। अबतक दर्जनों सड़के व नालियां बनवाई जा चुकी है। जिन जगहों पर सड़क व नाली निर्माण छूट गया है, उसे भी शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावे सौदर्यीकरण की दिशा में भी काम चल रहा है।

बता दें कि नगर के विस्तारित क्षेत्र जो कभी पंचायत के हिस्सा हुए करते थे, विकास से कोसों दूर रहे हैं। वैसे में नप द्वारा वैसे क्षेत्रों पर विशेष तौर पर ध्यान देना जरूरी हो गया है। विस्तारित क्षेत्र के नावाडेरा के लोग जो मुख्य मार्गों के लिये वर्षों से उपेक्षित थे, वहां रोड बनाने की प्रक्रिया शुरू होते ही लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। काफी संख्या में गांव के लोग रोड शिलान्यास स्थल पर पहुंच खुशी मनाने लगे।

98.995 लाख रुपए की राशि से बन रही है सड़क : इस विस्तारित क्षेत्र के वार्ड 14 में शंकर यादव के घर से अशोक पहलवान के घर तक 98 लाख 995 रुपए की प्राक्कलित राशि से सड़क बनाया जा रहा है। इस सड़क के बनने से नावाडेरा से बक्सर-आरा मुख्य सड़क पर आने-जाने की सुविधा मिल जाएगी। ऐसे में अनुमंडल मुख्यालय डुमरांव और नगर में भी आने की सुविधा हो जाएगी। रोड नहीं होने से स्कूल-कालेज में पढ़ने वाले छात्र-त्राओं को परेशानी तो होती ही थी। इतना ही नहीं महिलाएं तो और परेशान थी, अस्पताल और शहर में जाने के लिये खेतों की पगडंडियों के सहारे आना-जाना पड़ता था, जिससे समय की बबार्दी होती थी। रोड का निर्माण होने से रोड के सहारे गांव के लोग इस परेशानी से दूर हो जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

जामा बीडीओ ने की समीक्षा बैठक,

दुमका, एजेंसी। दुमका जिले के जामा प्रखंड के प्रभारी बीडीओ अभिनव प्रकाश ने गुरुवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारी व विभाग प्रमुख को मनरेगा टोल फ्री नंबर के प्रचार-प्रसार के लिए सभी पंचायत भवनों की दीवार पर नंबर लिखने तथा 250 से अधिक की आबादी वाले वैसे गांव, जो पीएम ग्राम सड़क योजना से नहीं जुड़े हैं, उनमें मनरेगा योजना से मिट्टी-मोरम सड़कों का निर्माण कराने का निर्देश दिया. इसके साथ ही ज्ञान केंद्र की जांच कराने व विद्यार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कल्याण गुरुकुल में बच्चों का नामांकन कराने को कहा. बैठक में पीएम आवास योजना, पीएम जनमन आवास योजना, अबुआ आवास, बिरसा आवास व मनरेगा योजना में बिरसा सिंचाई कूप निर्माण में प्रगति लाने पर चर्चा की गई. मनरेगा योजना में खुदाई पूर्ण कर 15 फीट जोड़ाई करने वाले कूप योजना में 50 हजार राशि भुगतान करने के अलावा दीदी बाड़ी योजना, किचन गार्डन योजना, जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र, पोटोहो खेल मैदान कार्य में प्रगति लाने और 15 वीं वित्त की राशि से योजना स्वीकृत करने का निर्देश दिया गया.

मारवाड़ी सम्मेलन के आनंदोत्सव में जमकर हुई मस्ती

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन का पारिवारिक आनंदोत्सव कार्यक्रम गुरुवार को वेडलॉक ग्रीन रिजॉर्ट में हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गयी. महिलाओं, बच्चों समेत सभी ने कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया. इस दौरान म्यूजिकल चेयर, गन शूटिंग, मिकी माउस, बैलून गेम समेत कई प्रकार के खेल का आयोजन किया गया. इसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान बड़ों ने गुल्ली-डंडा खेलकर बचपन की यादें ताजा की. चेतन ऑरनामेंट्स की ओर आयोजित हौजी के विजेताओं को सोने-चांदी के उपहार दिये गये. बॉलीवुड कलाकार मोहित अग्रवाल, योगेश राज एवं टीम ने संगीतमय प्रस्तुति दी. कार्यक्रम में समाज के लगभग दो हजार लोग उपस्थित थे. अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि समाज को एकजुट करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. मौके पर कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष दीपक रुइया, कृष्णलाल रुंगटा, डीएन चौधरी, संतोष जलान, सज्जन खरकिया, राजकुमार अग्रवाल, किशन अग्रवाल, योगेंद्र तुलस्यान, कृष्णा लोहारुका, दीपक पोद्दार, चेतन गोयनका, संजीव अग्रवाल, शेखर शर्मा, विनय अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अनिल खेमका, राकेश हेलीवाल, आर बी गोयल, प्रमोद गोयल, लोकेश अग्रवाल, दीपक कटेसरिया, अरविंद सतनालिका, श्याम अग्रवाल, विजय अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, मिठू सरिया, आशीष अग्रवाल, ललित मोदी, विनोद सिंघल, गोपी कटेसरिया, अजय गर्ग, घनश्याम नारनौली, वेद प्रकाश केजरीवाल आदि उपस्थित थे.

प्रो नवीन महतो एसएस कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि हुए निर्वाचित

धनबाद, एजेंसी। स्वामी सहजानंद महाविद्यालय चास में शुक्रवार को शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव हुआ. चुनाव पर्यवेक्षक सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग कतरास कॉलेज सह विश्वविद्यालय प्रतिनिधि एसएस कॉलेज चास के डॉ आशीष कुमार एवं पीठासीन पदाधिकारी एस एस कॉलेज चास के प्राचार्य डॉ विपिन कुमार थे. शिक्षक प्रतिनिधि चुनाव में कुल 26 मतदाता शामिल हुए, जिसमें विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र के प्रोफेसर नवीन कुमार महतो को 13 मत प्राप्त हुए एवं सहायक प्राध्यापक रसायन विभाग के डॉ शरद चंद्र शर्मा को 11 मत प्राप्त हुए तथा दो मत नोटा में पड़े. चुनाव में प्रोफेसर नवीन कुमार महतो शिक्षक प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किये गये. शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाने पर महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने श्री महतो को बधाई दी. मौके पर मुख्य रूप से प्रोफेसर रघुनाथ साहनी, डॉ रामकृष्ण महतो, प्रो आशुतोष माहथा, डॉ नेपाल महतो, प्रो नरेंद्र कुमार हरि, डॉ गुनाराम माहथा, डॉ राजीव कुमार, डॉ उमा पद महतो, प्रो अवधेश कुंदन, प्रो उमा पद महतो, डॉ मंगल पाठक, डॉ सुष्मिता कुमारी, प्रो दुर्गा चरण महतो, प्रो सुभाष चंद्र गोरई , प्रो सुजीत कुमार साव , डॉ ज्ञान प्रकाश , प्रो नरोत्तम कुमार, प्रो अनुपमा कुमारी , प्रो काली पद महतो, नंदकिशोर सिंह चौधरी, परीक्षित महथा, संजय प्रजापति, गौतम कुमार महथा, राहुल सिंह चौधरी, कुलदीप कुमारसहित अन्य उपस्थित थे.

खुलेआम जारी है बालू की चोरी, दौड़ रहे हैं बेलगाम ट्रैक्टर

धनबाद, एजेंसी। सीपी सिंह, बोकारो. 'एक तो चोरी ऊपर से सीनाजोरी.. यह कहावत बोकारो के बालू माफिया पर सटीक बैठती है. बालू गिरोह का दबदबा विभिन्न घाट पर ऐसा है कि खुलेआम बालू का उठाव तो कर ही रहे हैं, साथ ही साथ प्रशासनिक अमला पर हमला तक करने से गुरेज नहीं कर रहे हैं. आये दिन ऐसी घटना सामने आ रही हैं, जिसमें बालू तस्कर गिरोह प्रशासनिक कार्रवाई को धत्ता साबित कर रहे हैं. प्रशासन की ओर से कार्रवाई में जब्त ट्रैक्टर को छुड़ा ले जा रहे हैं. गिरफ्तार गिरोह के सदस्य को छुड़ा ले जा रहे हैं. बताते चलें कि जिले में बालू का एक भी घाट वैध नहीं है. बंदोबस्ती की प्रक्रिया सालों से चल रही है.

साल की शुरुआत होते ही बालू माफियाओं ने खेल दिखाना शुरू कर दिया. दो जनवरी को अंगवाली दामोदर तट पर अवैध रूप से बालू उत्खनन कर लोड करते हुए तीन ट्रैक्टर को पकड़ा गया. जब्त ट्रैक्टर को थाना लाने के क्रम में कदमाडीह गांव के पास षडयंत्र के तहत जबरदस्ती छुड़ा लिया गया. इसी तरह 18 दिसंबर को चलकरी दामोदर तट से बालू लाद कर निकल रहे एक ट्रैक्टर को विभाग की ओर से पकड़ा गया. इस ट्रैक्टर को भी पुलिस बल से जबरन छुड़ा लिया गया. हालांकि, दोनों मामलों में ट्रैक्टर मालिक पर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गया है.

27 दिसंबर को कसमार थाना क्षेत्र के सोनपुरा करमाली टोला में अवैध रूप से बालू की ढुलाई करते दो ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गयी. हादसे में एक बच्चे श्रेयांश कुमार की मौत हो गयी, जबकि उसकी चचेरी बहन घायल हो गयी. बच्चों पर ट्रैक्टर का पिछला चक्का चढ़ गया. पेटरवार प्रखंड के खेतकों से अवैध बालू लेकर एक ट्रैक्टर सोनपुरा होते हुए दांतू की ओर आ रहा था. इसी दौरान करमाली टोला में विपरीत दिशा से आ रहे खाली ट्रैक्टर के साथ उसकी टक्कर हो गयी थी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि खाली ट्रैक्टर का इंजन एक राशन दुकान के पास जाकर टकरा गया. दुकान के पास बरामदे में खटिया पर बैठकर बिस्किट खा रहे युधिष्ठिर करमाली उर्फ नीरज का पुत्र श्रेयांश कुमार (4 वर्ष) एवं सूरज करमाली की पुत्री रितिका कुमारी (3 वर्ष) पर ट्रैक्टर के पिछले हिस्से का चक्का चढ़ गया.

बालू माफियाओं का आतंक अप्रैल 2024 में देखने को मिला था. सेक्टर 11 अंतर्गत भतुआ बस्ती दामोदर नदी तट के पास माफियाओं के इशारे पर भीड़ ने जिला खनन विभाग व बोकारो स्टील प्लांट की टीम पर हमला कर दिया था. बालू माफियाओं के इशारे पर भीड़ ने टीम के कई सदस्यों के कपड़े फाड़ दिये और वाहनों की चाबी छीन ली. इस दौरान बीएसएल नगर सेवा विभाग लैंड एंड एसेट के महाप्रबंधक एके सिंह को हल्की चोट आयी थी. हमले में कई पत्रकारों के अलावा अन्य लोग भी चोटिल हुए थे. भीड़ ने एक होमगार्ड का मोबाइल छीन लिया था. इस मामले में एफआइआर दर्ज होने के बाद कुछ नहीं हुआ. जिला में एक भी बालू का वैध घाट नहीं है. बालू घाट की नीलामी प्रक्रिया अभी कागज पर है. मतलब, बालू का उठाव वर्तमान समय में कानूनन किसी रूप से नहीं किया जा सकता है. 2022 में पंचायत चुनाव के नाम पर, 2023 में तकनीकी कारण व 2024 में लोकसभा व विधानसभा चुनाव कारण समेत विभागीय दांवपेंच के कारण बालू घाट की बंदोबस्ती नहीं हुई. जिला में बालू घाट की बंदोबस्ती भले ही नहीं हुई हो, लेकिन बालू माफियाओं ने खुद में क्षेत्र का बंटवारा कर लिया है. बालू का उठाव उसी क्षेत्र निर्धारण के हिसाब से हो रहा है. खुले बाजार में ऑर्डर मिलने पर क्षेत्र के हिसाब से बंटवारा किया जाता है. मतलब, काम तो कानून से बेईमानी का है, लेकिन निभायी पूरे ईमानदारी से जाती है. बोकारो शहरी क्षेत्र में बालू की सप्लाई भतुआ के नजदीक स्थित दामोदर घाट से हो रही है. वहीं चास क्षेत्र में तेलमच्चो पुल के पास से बालू उपलब्ध कराया जा रहा है. जिले के पेटरवार प्रखंड के खेतको, चलकरी, तेनुघाट व सुदूरवर्ती गागा ग्राम से सटे गोला प्रखंड के गंधनिया घाट, बेरमो में दामोदर नद के विभिन्न घाट के अलावा चंदनकियारी प्रखंड के अमलाबाद ओपी क्षेत्र में सीतानाला, दामोदर तट व गुडलीभिठ्ठा गांव के समीप व गवई नदी के विभिन्न घाट से बालू का उठाव हो रहा है. पिंड्राजोरा क्षेत्र में इजरी नदी के साथ बंगाल की कसाई नदी से भी बालू की आपूर्ति हो रही है.

जानकारों की मानें तो बालू का अवैध कारोबार बोकारो जिले में पिछले कई साल से चल रहा है. वर्तमान में एनजीटी की रोक के कारण बालू की आवक कम हुई है. जबकि डिमांड पर कोई असर नहीं हुआ है. इस कारण अवैध करोबार ज्यादा फल-फूल रहा है. जानकारों ने बताया ~ नदी से बालू उठाव व स्टॉक में प्रति ट्रैक्टर 500 रुपये का अधिकतम खर्च आता है, जबकि डिलेवरी में खर्च 800-1000 रुपये का होता है. जबकि बाजार में बालू प्रति ट्रैक्टर 3200-3500 रुपया मिल रहा है. यानी प्रति ट्रैक्टर 1700 से 2000 रुपये की कमाई कारोबारी को हो रही है. एक दिन में ऐसे हजारों ट्रैक्टर से बालू की डिलेवरी हो रही है. इससे कारोबार का अंदाज लगाया जा सकता है.

जिले की ओर से प्रक्रिया पूरी कर देने के बाद भी लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है. बोकारो जिला की ओर से विभिन्न कैटेगरी में छह घाट की बंदोबस्ती की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. 02 घाट की प्रक्रिया एडवांस स्टेज में है. दो घाट का क्लीयरेंस प्रदूषण विभाग से नहीं मिलने के कारण मामला अटका हुआ है. जहां कैटेगरी ए के लिए पेटरवार प्रखंड के पिछरी-02 घाट (4.72 हेक्टेयर) व चलकरी बालू घाट (8.22 हेक्टेयर) का ब्यौरा मुख्य कार्यालय भेजा गया है, वहीं कैटेगरी बी के लिए पेटरवार प्रखंड के चलकरी (14.67 हेक्टेयर), खेतको चलकरी (26.14 हेक्टेयर), होसिर ढेंढे (23.11 हेक्टेयर) व गोमिया प्रखंड के होसिर (10.86 हेक्टेयर) का ब्यौरा भेजा गया है. कैटेगरी सी के लिए पेटरवार प्रखंड के चांपी-खेतको (52.40 हेक्टेयर) का ब्यौरा भेजा गया है.

पीले वस्त्र पहन किन्नरों ने निभायी खिचड़ी तौलने की रस्म

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में किन्नर समाज के महाअधिवेशन के दूसरे दिन शुक्रवार को खिचड़ी तौलने की रस्म धूमधाम से निभायी गयी. आज कार्यक्रम की शुरुआत किन्नरों के पूर्वज रेशमा मां के नाम की खिचड़ी तौलकर की गयी. इस अवसर पर सभी ने पीले वस्त्र पहने थे. पांच प्रकार के अनाज से खिचड़ी तौली गयी. इस दौरान खुशी में रुपये-पैसे लुटाये गये. इससे पूर्व महाधिवेशन के लिए बनाये गये विशेष मंडप में प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी के पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत कर कार्यक्रम आगे बढ़ाया गया. बताया जाता है कि शादी-ब्याह की तरह किन्नरों के लिए यह अवसर बहुत शुभ होता है. मौके पर सिलीगुड़ी से आयी अलाविया नायक ने कहा कि झारखंड में पहली बार हो रहे समाज के महाधिवेशन में किन्नरों का आना लगातार जारी है. मौके पर श्वेता किन्नर, बोकारो की बबीता नायक, जोधाबाई नायक,अरुणा नायक रामगढ़, सीमा नायक इंदौर, जकी नायक, प्रेमा नायक, छोटकी नायक, ललन नायक पटना, मुन्नी नायक बेरमो, ज्योति नायक, सांवरिया, गीता नायक, नेपाल की टीना राय, गोरखपुर की प्रिया आदि शामिल थे.

किन्नर समाज की ओर से सात जनवरी को मटकुरिया से शोभायात्रा निकाली जायेगी. किन्नर समाज धनबाद की सचिव श्वेता किन्नर ने बताया कि मटकुरिया से शोभायात्रा शुरू होगी, जो पैदल चलकर शक्ति मंदिर पहुंचेगी. यहां माता रानी के दरबार में 21 किलो का घंटा अर्पित किया जायेगा. वहीं माता रानी से सभी यजमान व उनके बच्चों की खुशहाली की कामना की जायेगी.

यातायात नियम न मानने वाले वाहन चालकों को माला पहनाकर कराया गलती का एहसास

सड़क सुरक्षा माह में जागरुकता के लिए प्रशासन ने चलाया अभियान

सरायकेला, एजेंसी। सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो ने कांड्रा चौक पर बिना हेलमेट पहने दो पहिया और बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट किया और माला पहनाई. ऐसा कर उन्होंने वाहन चालकों को उनकी गलतियों का अहसास कराते हुए भविष्य में बिना हेलमेट बाइक और बगैर सीट बेल्ट लगाए कार ड्राइविंग न करने की सलाह दी.

80 बाइक सवारों को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया

वहीं हेलमेट रहते हुए भी ड्राइविंग के दौरान हेलमेट का प्रयोग नहीं करने पर चालकों को चेतावनी दी गई और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना के प्रावधान से उन्हें अवगत कराया गया. चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट के प्रयोग कर दुर्घटनाओं में सुरक्षित रहने के प्रति चालकों को जागरूक किया गया. बिना हेलमेट पहने करीब 80 बाइक सवारों को रोककर सड़क सुरक्षा के नियमों से उन्हें अवगत कराया गया. इस अवसर पर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर रवि प्रसाद, दिलीप कुमार एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल थे.

कम उम्र के बच्चों को वाहन नहीं चलाने दें अभिभावक

इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि आजकल छोटे-छोटे उम्र के बच्चे बिना ड्राइविंग लाइसेंस और हेलमेट के ही वाहनों की ड्राइविंग करते हैं, जो नियमानुसार अपराध है.

इतना ही नहीं एक हाथ से बाइक की हैंडल और दूसरे हाथ में मोबाइल से बातें करते हुए भी उन्हें वाहनों की ड्राइविंग करते हुए देखा जाता है, जो दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है. ड्राइविंग के दौरान हेडफोन पर गाने सुनना और बाइक चलाना दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है. उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि जब तक उनके बच्चे निर्धारित उम्र के नहीं हो जाते, किसी भी सूरत में उनके हाथों में बाइक न दें.

उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के बाइक या चार पहिया वाहन या फिर अन्य तरह के वाहन परिचालन के लिए उन्हें प्रोत्साहित न करें. इस दौरान पुलिसकर्मियों व अधिवक्ताओं को भी बिना हेलमेट वाहन की ड्राइविंग पर टोका गया और सचेत किया गया. कई कम उम्र बच्चों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए आगे ऐसी गलती न दुहराने का संकल्प लिया.

अपूर्ण योजनाओं को पूरा करने में लाएं तेजी : डीडीसी

धनबाद, एजेंसी। समाहरणालय कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त गिरिजाशंकर प्रसाद ने जिला खनिज फांउडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की. डीडीसी श्री प्रसाद ने भवन प्रमंडल की ओर से डीएमएफटी के तहत जिला में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र की प्रगति की जानकारी ली. उन्होंने अपूर्ण केंद्र को जल्द पूर्ण करने व पूर्ण केंद्रों को जिला समाज कल्याण विभाग को हस्तांतरित करने को कहा. डीडीसी ने प्रखंडवार निर्माण कार्य शुरू, प्रगति व पूर्ण होने की जानकारी ली. इस क्रम में 25 कई केंद्र का निर्माण भूमि उपलब्ध नहीं होने, व भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं होने की बात सामने आयी. डीडीसी ने संबंधित एजेंसी के कार्यपालक अभियंता को इस बाबत प्रतिवेदन जिला को समर्पित करते हुए उपलब्ध आवंटन की राशि को विभाग को समर्पित करने का निर्देश दिया. डीडीसी श्री प्रसाद ने डीएमएफटी के तहत संचालित योजनाओं की लक्ष्य अनुरूप कार्य में तेजी लाने को कहा. डीडीसी ने कहा ~ पीसीसी सड़क निर्माण, विभिन्न विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा निर्माण समेत अन्य कार्य में पूरे अभिलेख का जांच होने (भौतिक व वित्तीय प्रगति) के बाद ही दूसरे किस्त की

राशि का भुगतान संबंधित एजेंसी को करने का निर्देश दिया. डीडीसी ने ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, ग्रामीण कार्य मामले- कार्य प्रमंडल, पथ प्रमंडल, भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई प्रमंडल, एनआरइपी, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास व तेनुघाट, बांध प्रमंडल की ओर से डीएमएफटी के तहत संचालित योजना प्रगति की समीक्षा कर पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया. मौके पर प्रभारी पदाधिकारी डीएमएफटी राज शर्मा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत डीएमएफटी के पीएमयू टीम के सदस्य, संबंधित तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता व अन्य मौजूद थे.

झारखंड में शराब कंपनी की बढ़ी टेंशन, हेमंत सरकार ने दे डाली अंतिम चेतावनी

रांची, एजेंसी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गुरुवार को विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व देसी शराब बनाने वाली इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में यह बात सामने आई कि राज्य में जितनी मांग है, उस अनुरूप देसी शराब की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

इसकी कमी को पूरा करने के लिए महुआ से बनी अवैध शराब की बिक्री हो रही है। मंत्री ने कहा कि यह खतरनाक है और इसके चलते राजस्व की भी कमी हो रही है।राज्य में देसी शराब का उत्पादन करने वाली आठ इकाइयां हैं। मंत्री ने उत्पादन इकाइयों को चेताया है कि अगर उपभोक्ताओं को आवश्यकता के अनुरूप देसी शराब की आपूर्ति नहीं हुई

तो वे दूसरे राज्यों से शराब मंगवाकर राज्य में बिक्री करवाएंगे।

इधर, देसी शराब बनाने वाली इकाइयों ने मंत्री को बताया कि पहले बोटलिंग प्लांट में शीशे के बोतल में देसी शराब पैक होता था, जिससे मूल्य पर प्रभाव पड़ रहा था। शराब का भुगतान पांच, 15 व 30 तारीख को होता था। इसका अब पालन नहीं हो रहा है। पैसे की कमी से भी उत्पादन पर प्रभाव पड़ रहा है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इसे ठीक करने का निर्देश दिया है।

गुमला में शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर अब प्रशासन सख्ती बरतने वाला है। सड़क सुरक्षा टीम के द्वारा दिन में वाहनों की जांच की जा रही है। जबकि रात्रि में औचक रुप से वाहन चालकों को ब्रेथ एनालाइजर से अल्कोहलिक जांच रही है। गुमला में लगातार बढ़ रही सड़क हादसों पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्ती बरता जा रहा है। बिना हेलमेट वाले चालकों पर भी सख्ती बरता जा रहा है।

चंदनकियारी में दो सहोदर भाइयों के घर में लाखों की चोरी

धनबाद, एजेंसी। चंदनकियारी थाना क्षेत्र अंतर्गत गुंडरी गांव में एक ही रात दो सगे भाइयों के घरों का ताला तोड़ कर चोरों ने 3.80 लाख नगदी, जेवर समेत लाखों की संपत्ति चोरी कर ली. जबकि एक घर में चोरी का प्रयास किया. घटना को लेकर पीड़ितों ने चंदनकियारी थाना में लिखित शिकायत कर मामला दर्ज कराया है. घटना गुरुवार देर रात तीन बजे की है. चोरों ने गुंडरी गांव निवासी स्व. शैलजानंद पांडेय के पुत्र संपूर्ण पांडेय और शिव शंकर पांडेय के घरों का ताला तोड़ कर नगदी समेत लाखों रुपये की संपत्ति चोरी कर ली. शिव शंकर पांडेय झारखंड पुलिस के सिपाही के तौर पर जामताड़ा में पदस्थापित हैं. जबकि चोरों ने इसी गांव के त्रिवेणी चौधरी के घर में भी चोरी करने का प्रयास किया. गृहस्वामी के हल्ला करने पर सभी चोर भाग गये. चोरों ने दूसरे कमरे में सो रहे परिवार के अन्य सदस्यों के दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया और चोरी की घटना को अंजाम दिया. घटना के समय पड़ोसी राजेन पांडेय के घर का

दरवाजा भी चोरों ने बाहर से बंद कर दिया था. जब तक गृह स्वामी को कुछ जानकारी होती, तब तक चोर सब कुछ समेट कर भाग चुके थे. गृहस्वामी संपूर्ण पांडेय ने थाना में दिये आवेदन में कहा है कि गुरुवार की रात चोर दीवार फांदकर घर में घुसे और जिस कमरे में वे सोये थे, उसका दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और कमरे में रखे अलमीरा तोड़ कर 80 हजार रुपये, बक्से में रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर, कपड़े व बर्तन चोरी कर ली. चोरों ने दो बक्से को घर से लगभग पांच सौ मीटर दूर एक मैदान में फेंक दिया था. गृहस्वामी ने कहा कि जब भोर तीन बजे नींद टूटी तो देखा की दरवाजा बंद है. दरवाजे की कुंडी को बाहर से ही बांध दिया गया था.

एक ही आंगन में रहने वाले संपूर्ण पांडेय के भाई झारखंड पुलिस में आरक्षी शिव शंकर पांडेय ने थाने में दिये लिखित आवेदन में कहा है कि घटना के समय वह जामताड़ा में ड्यूटी पर थे. चोरों ने उनके घर के दरवाजे में लगा ताला तोड़ कर तीन लाख रुपये नगद, बरतन और कपड़ा चुरा लिया. घटना के समय उनकी पत्नी और मां दूसरे कमरे में सोई हुई थी, उस कमरे का दरवाजा चोरों ने बाहर से बंद कर दिया था.इधर, त्रिवेणी महथा चौधरी ने भी लिखित आवेदन देकर घर में चोरी का प्रयास का मामला दर्ज कराया है. उन्होंने कहा कि रात एक बजे आंगन में हलचल सुन कर दरवाजा खोल कर बाहर निकले की कोशिश की तो निकलने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद कर दिया गया. अंदर से हल्ला करने पर दूसरे कमरे में सो रही उनकी बेटी व पत्नी ने बाहर से दरवाजा खोला. सूचना पर चंदनकियारी पुलिस गांव पहुंची और घटनास्थल की छानबीन की. खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था.

झारखंड हाई कोर्ट ने निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन के मामले में ईडी से मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से रांची की निचली अदालत के संज्ञान आदेश को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने ईडी से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में छवि रंजन की ओर से ईडी कोर्ट के जरिये लिए गए संज्ञान आदेश को चुनौती देते हुए केस को निरस्त करने का आग्रह किया गया है। साथ ही छवि रंजन की ओर से अपनी गिरफ्तारी को भी अवैध बताया गया है।

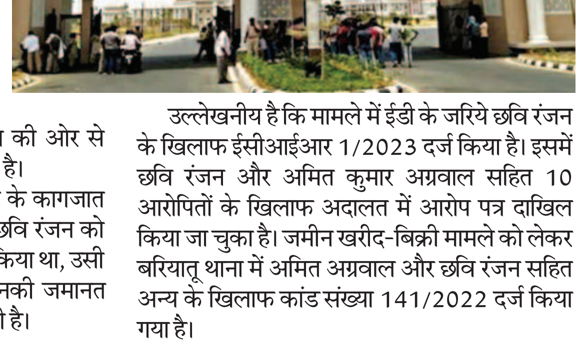

दरअसल, बरियातू में सेना की जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को ईडी टीम ने चार मई, 2023 को गिरफ्तार किया था, उसी समय से वे जेल में हैं। इस मामले में उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि मामले में ईडी के जरिये छवि रंजन के खिलाफ ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें छवि रंजन और अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जमीन खरीद-बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में अमित अग्रवाल और छवि रंजन सहित अन्य के खिलाफ कांड संख्या 141/2022 दर्ज किया गया है।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

सुभाषितम्

युवावस्था आवेशमय होती है, वह प्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी। - प्रेमचंद

ओवर कॉन्फिडेंस में अमेरिका में बुरी तरह से फंसे अडानी, बचना मुश्किल

अमेरिका की न्यूयॉर्क स्थित अदालत में भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे और 2 अन्य के खिलाफ 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर जो भारतीय मुद्रा में 2029 करोड रुपए की रिश्वत भारत में बांटने के आरोप में 3 मुकदमे दर्ज हुए हैं। न्यूयॉर्क स्थित जिला न्यायाधीश निकोलस जी गेरोफिस की अदालत में तीनों मामले एक साथ चलेंगे। इसमें एक मामला यूएस बनाम अदानी एवं अन्य का आपराधिक मामला है। वही दूसरा मामला एसईसी बनाम अदानी एवं अन्य दीवानी मामला है। तीसरा मामला एसईसी बनाम केबनेश है. यह सिविल मामला है। अमेरिका की कोर्ट में दीवानी और सिविल मामले में यदि अपराध को स्वीकार कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में जुमार्ना देकर समझौता किया जा सकता है। लेकिन आपराधिक मामले में सजा एवं आर्थिक दंड का प्रावधान होता है। अमेरिका की अदालत में अदानी भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने के मामले में बुरी तरह से फंस गए हैं। अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा लगभग 2 साल जांच की गई है। जांच के बाद अभियोजन पक्ष ने जो सबूत जुटाए हैं। वह सभी सबूत अदानी के खिलाफ जा रहे हैं। अमेरिका की अदालत में प्रमाणिक सबूतों को नकारना अमेरिकी अदालतों में संभव नहीं होता है। अदानी समूह द्वारा अभी तक आरोपों से इनकार किया जा रहा है। जब तीनों मामले अदालत में एक साथ चलेंगे, तब अदानी समूह के लिए आरोपों से बचना मुश्किल है। अभियोजन पक्ष का कहना है, अदानी समूह ने अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से जो जानकारी छुपाई है। वह अमेरिका में गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। अमेरिका में चल रहे तीनों मुकदमों के कारण अदानी समूह की अंतरराष्ट्रीय छवि पर विपरीत प्रभाव पडना तय है। अमेरिका की अदालतों में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होता है। अमेरिका की अदालतों में मामलों की सुनवाई भी निश्चित समय सीमा में होती है। फैसला भी एक निश्चित समय सीमा के अंदर हो जाता है। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुकदमा अमेरिका की अदालत में चला। अदालत ने उन्हें सजा सुनाई। चूंकि वह सिविल मामला था। राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो जाने के बाद भी अमेरिका की न्यायालय ने उनके ऊपर 50 लाख डॉलर का जुमार्ना लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी अपील की थी। उस अपील को उच्च अदालत ने खारिज करते हुए जुरमाने को बरकरार रखा है। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं.। एलन मस्क ट्रंप सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका में है। एलन मस्क भारत में सेटेलाइट सेवा उपलब्ध कराना चाहते हैं। एलन मस्क के भारत के साथ जिस तरीके के व्यापारिक इंटरेस्ट हैं। उससे गौतम अडानी और रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी की मुश्किलें आने वाले समय में और बढ़ने वाली हैं। सबसे ज्यादा मुसीबत अदानी समूह की होने वाली है। अदानी समूह के ऊपर अमेरिका में जो तीन मामले चल रहे हैं। उसमें उन्हें आर्थिक दंड के साथ-साथ सजा होना तय है। जिन आरोपों में यह मुकदमे चलेंगे, उसमें आपराधिक मामले में 10 साल की सजा है। यह कहा जा रहा है, दीवानी मामले में यदि अदानी समझौता कर लेते हैं, तो आर्थिक दंड देकर बच सकते हैं। यदि वह ऐसा नहीं करते हैं, तो जब तीनों मामले एक साथ चलेंगे। तब अदानी को अपने आप को बचा पाना बहुत मुश्किल होगा। जैसे ही अमेरिकी न्यायालय की यह खबर निकलकर सामने आई है। दुनिया भर में इसका असर देखने को मिल रहा है। अदानी समूह की अमेरिका स्थित जिस कंपनी से रिश्वत दी है। अमेरिकी कानून के मुताबिक वहां की प्रतिभूति और विनिमय आयोग के अनुसार, अमेरिका के निवेशकताओं ने अदानी समूह में जो निवेश किया है। वहां के कानून के अनुसार, किसी भी बात को छिपाना अथवा रिश्वत देना सबसे बड़ा अपराध माना जाता है।

चिंतन-मनन

यक्ष-प्रश्न की युगीन व्याख्या

महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते हो। नकुल और अन्य भाइयों को जोर की प्यास लग रही थी, अतः वे बिना यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिए ही पानी पीने लगे और मृत्यु को प्राप्त हुए। जब युधिष्ठिर की बारी आई तो उन्होंने न केवल यक्ष के सभी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुने अपितु उनका तर्कपूर्ण उत्तर भी दिया जिसे सुनकर यक्ष संतुष्ट हो गया। यक्ष द्वारा युधिष्ठिर से पूछे गए प्रश्नों में एक प्रश्न स्थायित्व, धैर्य, स्नान और दान से संबंधित भी था। यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा कि स्थायित्व किसे कहते हैं? धैर्य क्या है? स्नान किसे कहते हैं? और दान का वास्तविक अर्थ क्या है?

युधिष्ठिर ने इन प्रश्नों का जो उत्तर दिया, वह इस प्रकार था- अपने धर्म में स्थिर रहना ही स्थायित्व है। अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना ही धैर्य है। मनोमालिन्य का त्याग करना ही स्नान है और प्राणीमात्र की रक्षा का भाव ही वास्तव में दान है। महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते। महाभारतकालीन यक्ष-युधिष्ठिर संवाद के प्रश्नों के उत्तर की प्रासंगिकता उस युग की तुलना में आज कहीं अधिक है। स्थायित्व या सिद्धांतवादिता को लोगों ने हठधार्मिता का रूप दे दिया है, जबकि संकल्प की दृढ़ता या स्थायित्व से आशय अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ता से है।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है? भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है। शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है। भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है। नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के जरिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है। भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं।

मणिपुर में माफी कोरा दिखावा न होकर सार्थक बदलाव करें

ललित गर्ग

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए ह्यमाफीह्न मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप-प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दशार्ता है। मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपु? में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि ह्यह्यमैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी ह्न्ह्न प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए। यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं।

बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके। लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये।

ऐसा शिव मंदिर जहां मुसलमान भी नवाजते है मत्था!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

एक ऐसा भी शिव मंदिर है जहां हिंदू ही नही मुसलमान भी नवाजते है मत्था।यह शिव मंदिर मुस्लिमों के भी आराध्यए हैं।उत्तर प्रदेश में गोरखपुर से 25 किमी दूर एक ऐसा शिवलिंग है, जिस पर कलमा खुदा हुआ है। कहा जाता है कि महमूद गजनवी ने इस शिवलिंग को तोड़ने की कोशिश की थी, मगर वह कामयाब नहीं हो सका था। जिस पर उसने शिवलिंग पर उर्दू में लाइलाहाइल्लललाह मोहम्मदमदु 'रसूलुल्लाह लिखवा दिया ताकि हिंदू इसकी पूजा न कर सकें।लेकिन इसके बाद इस मंदिर के प्रति लोगो की आस्था ओर ज्यादा बढ़ गई। इस शिवलिंग की पूजा करने हजारों हिंदू भक्त जहां दूर-दूर से आते हैं,वही मुसलमान भी इस शिव मंदिर पर आकर सिर झुकाने लगे।यह मंदिर खजनी कर्स्बे के निकट सरया तिवारी गांव में है। इसे झारखंडी शिव मंदिर भी कहा जाता है। मान्यंता है कि ये शिवलिंग सैकड़ो साल पुराना है और यहां पर शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ था। लोगों का मानना है कि शिव के इस दरबार में जो भी भक्त आकर श्रद्धा से पूजा अर्चना करता है, उसकी मनोकामना भगवान शिव जरूर पूरी करते हैं। इस शिव मंदिर के पुजारी जेपी पांडे ने बताया कि ये शिवलिंग सिर्फ हिंदुओं के लिए ही नहीं बल्कि मुस्लिमों के लिए भी उतना ही पूज्यनीय है।क्योंकि इस पर उर्दू में लाइलाहाइल्लललाह मोहम्मदमदु 'रसूलुल्लाह लिखा हुआ है। उन्होंने बताया कि जब महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया तो देश के सभी मंदिरों को लूटकर तबाह कर दिया। जब वह इस गांव में आया तो उसकी सेना ने इस शिवलिंग को भी उखाड़ फेंकना चाहा। महमूद गजनवी और उसकी सेना जब इस शिवलिंग को तोड़ नहीं कर पाई, तो उसने शिवलिंग पर कलमा खुदवा दिया, ताकि कोई हिंदू इसकी पूजा न कर सके। पुजारी जेपी पांडे, शहर काजी वलीउल्लाह ने बताया कि इस मंदिर पर काफी कोशिश करने के बाद भी कभी छत नहीं बन पाई है। ये शिवलिंग आज भी खुले आसमान के नीचे है। मान्येता है कि इस मंदिर के बगल में स्थित पोखर में नहाने से कुष्ठत रोग से पीड़ित एक राजा ठीक हो गए थे। तभी से अपने चर्म रोगों से मुक्ति पाने के लिए लोग यहां पर पांच मंगलवार और पांच रविवार स्नाहन करते हैं और रोग से निजात पाते हैं। महमूद गजनवी के मीर मुंशी अल उत्वी ने अपनी पुस्तक तारीखे यामिनी में लिखा है कि गजनवी ने इस मंदिर की भव्यता देखकर कहा था कि इस मंदिर के बारे में शब्दों या चित्रों से बखान करना नामुमकिन है। उसका अनुमान था कि वैसा भव्य मंदिर बनाने में उस समय के 10 करोड़ दीनार खर्च करने होंगे और इसमें समय भी 200 साल लगेगा। वर्तमान में यह मंदिर सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बन गया है। यहां के स्थानीय मुस्लिमों के लिए भी यह शिवलिंग पवित्र है। रमजान में मुस्लिम यहां पर आकर अल्लाह की इबादत करते हैं। इस मंदिर के शिवलिंग को नीलकंठ महादेव भी कहते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज लाभ का दिन है और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बने हैं। आपका भाग्य साथ देगा।

तुला आजदिन लाभकारक है और आपको सफलत प्राप्त होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

वृषभ आज मन नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

वृश्चिक दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन आज करियर में लाभ के योग हैं और आपका कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से आपका मन खुश रहेगा।

धनु बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

कर्क आपका दिन काफी सफलता से भरा होगा। आप जो भी काम लगन के साथ करेंगे।

मकर आज दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा और आपको राहत होगी।

सिंह दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

कुंभ दिन वाला है। कुंभ राशि वाले कल आत्मविश्वास के साथ अपने काम में आगे बढ़ेंगे।

कन्या आपको सफलता प्राप्त होगी। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।

मीन आज योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही करियर में भी आप सफलता हासिल करेंगे।

विशेष

भारत में एच 1बी वीजा और ट्रम्प चचाओं में, मोदी की परीक्षा?

अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ डोनाल्ड ट्रंप लेने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ के पहले जिस तरह से एच 1बी वीजा के नियमों को सख्त करने के संकेत दिए हैं। इसको लेकर भारत और अमेरिका में रह रहे, भारतीय प्रवासियों में चिंता देखी जा रही है। इसी तरह से भारत से जो वस्तुएं अमेरिका में आयात हो रही हैं। उसका शुल्क बढ़ाने के संकेत ट्रंप ने दिए हैं। ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं बुलाया है।इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की चिंता बढ़ गई है। अभी तक भारत में यही कहा जाता था। डोनाल्ड ट्रंप मोदी जी के बड़े अच्छे मित्र हैं। पिछले चुनाव में मोदी जी ट्रंप का चुनाव प्रचार करने अमेरिका गए थे। तब ट्रंप चुनाव हार गए थे।इस बार मोदी जी ने ट्रंप का चुनाव प्रचार नहीं किया।अब ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका से जिस तरह की खबरें आ रही हैं।उससे भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की चिंताएं बढा दी हैं। भारत के विदेश मंत्री विदेश मंत्री जयशंकर 5 दिन अमेरिका में रहे। ट्रंप ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। इस तरह की खबरें आने के बाद भारत सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। भारत की आर्थिक स्थिति विदेशी मुद्रा में, अमेरिका ब्रिटेन और कनाडा मे रह रहे प्रवासी भारतीयों के कारण बेहतर है। यदि इस स्थिति में परिवर्तन होता है, तो भारत आर्थिक संकट में भी फंस सकता है।यह बात भी चचाओं में आने लगी है। जब अच्छे दिन आते हैं, तो सब तरफ से आते हैं।जब कष्ट के दिन आते हैं, तो सभी जगह से कष्ट ही मिलता है।यह होता हुआ दिख रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1659 औरंगजेब ने खजवा की लड़ाई शाह सुजा को हराया. 1762 ही द्वितीय रूस के जार बने 189व ब्रिटेन और तुर्की ने डाडोनेलेस संधि की. 1895 जर्मन भौतिक विज्ञानी विल्हेम रांजटन ने एक्सरे के अविष्कार की घोषणा की. 1899 जनरल एमग्यूनालडो ने अमरीका से फिलीपींस की स्वतंत्रता की मांग की. 1929 यूगोसलाव नरेश अलेक्जेंडर प्रथम ने संविधान निलंबित कर दिया. 1957 केंद्रीय बिक्री कर कानून प्रभावी हुआ. 1964 पंद्रहवीं सदी के बाद पहली बार रोमन कैथोलिक पोप और आथोर्डाक्स चर्च के प्रमुख के बीच बातचीत हुई. 1969 सोवियत संघ ने वीनस-5 का प्रक्षेपण किया. 1977 सीरिया ने साढ़े चार हजार यहूदियों पर लगे प्रतिबंध में ढील देने की घोषणा की. 1986 अरब देशों ने घोषणा की कि अमरीकी या इसरायली हमले की स्थिति में वे लीबिया की मदद करेंगे. 1987 चीन में छात्रों ने छात्र आंदोलन विरोधी समाचार पत्र बीजिंग डेली की प्रतियाँ जलाई.

दैनिक पंचांग

5 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.23 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कुंभ	09.10 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.42 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.13 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.53 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.51 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.05 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.21 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.33 बजे से
राहुकाल		तुला	00.43 बजे से
4.30 से 6.00		वृश्चिक	02.58 ब.से
बजे तक		धनु	05.14 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का पांचवां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 20.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 20.18 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 07.32 बजे तदनन्तर वरीयान 04.51 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** कौलव 09.10 बजे तदनन्तर तैतिल 20.16 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 36' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872215 **जूलियन दिन** 2460680.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 04 **विशेष** स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते हैं, तो आनलाइन–लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एंव सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र–छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र–छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसलटेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन – इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग–अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा–इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरुआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फॉरेंसिक साइंस रोमांचकारी कॅरियर

फॉरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वानात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फॉरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे यह रोमांचकारी और आह्वानात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है। मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवीं उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संस्था से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान–प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यर्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी–कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच–पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती है इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है–

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

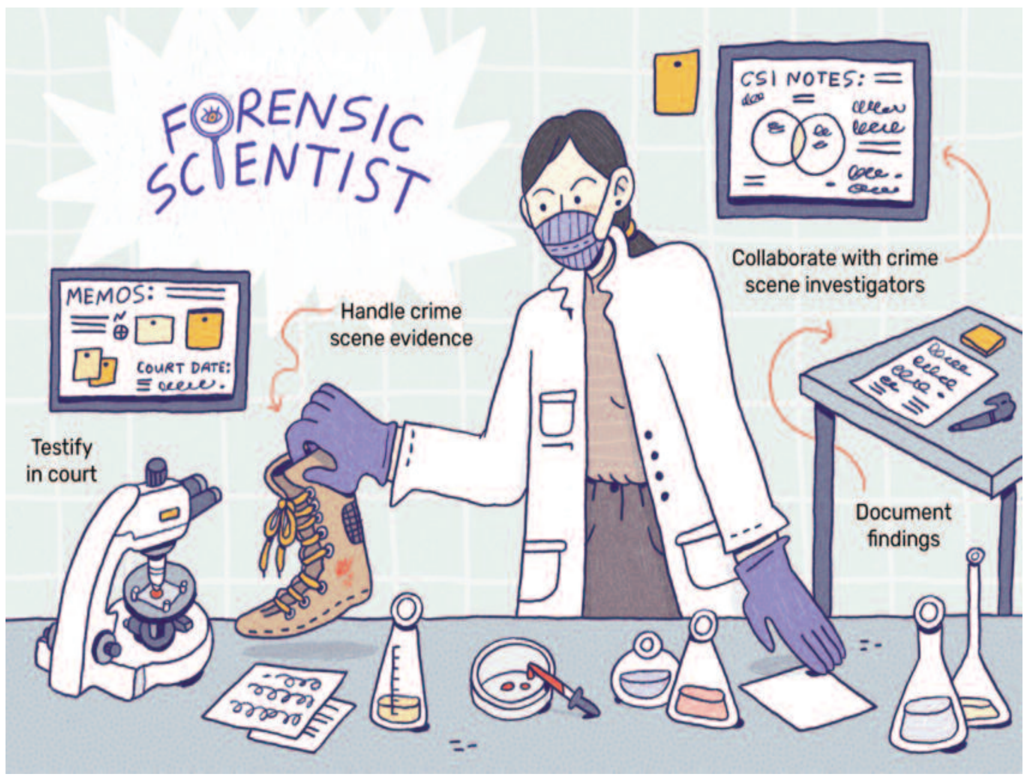

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है। आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्यवसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति–पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्रायः लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े–बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी–कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग–सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुद्ध सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग–सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रेत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग–सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग–सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग–सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग–सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30–40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर–पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे इ भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे इ टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़क्कर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40–45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30–45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग–सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग–सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने–जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग–सब्जी जैसे – धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

39.4 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है 720 से अधिक कंपनियों का राजस्व

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की मदद से 720 से अधिक कंपनियों का राजस्व 5-6 वर्षों में बढ़कर 459 अरब डॉलर (39.4 लाख करोड़ रुपये) तक जा सकता है। गोल्डमैन सैश के अनुसार, योजना का लक्ष्य विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाना, आयात कम करना, निर्यात को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना है।

रिपोर्ट के अनुसार, एनर्जी ट्रांजिशन में एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी में तीन परियोजनाएं 2.3 अरब डॉलर के प्रोत्साहन के साथ 24.7 अरब डॉलर का राजस्व हासिल कर सकती हैं। 95 परियोजनाओं के साथ ऑटोमोबाइल व ऑटो कलपुर्जा क्षेत्र ने पहले ही 3.2 अरब डॉलर के प्रोत्साहन के साथ 1.3 अरब डॉलर की बिक्री हासिल की है। दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद ने पहले ही 8.3 अरब डॉलर की बिक्री हासिल की है।

सौर पीवी परियोजनाओं से 64.6 अरब डॉलर की उम्मीद: 14 सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल परियोजनाओं से तीन अरब डॉलर के प्रोत्साहन से 64.6 अरब डॉलर के राजस्व की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर में 9.5 अरब डॉलर के प्रोत्साहन से 53.1 अरब डॉलर राजस्व मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 4.8 अरब डॉलर के प्रोत्साहन के साथ 130.1 अरब डॉलर के राजस्व का अनुमान है। आईटी हार्डवेयर को 2.1 अरब डॉलर के प्रोत्साहन से 24.8 अरब डॉलर के राजस्व की उम्मीद है।

80 पर जा सकता है सुजलॉन एनर्जी का शेयर, कभी 2.48 था भाव, 2400 प्रतिशत का दे चुका है रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर नए साल 2025 के पहले कारोबारी सेशन (1 जनवरी) में 5 फीसदी सर्किट पर समाप्त हुआ था। हालांकि, 2 जनवरी को अगले ही कारोबारी सत्र में स्टॉक मुनाफावसूली देखी गई। इसके बाद आज शुक्रवार (3 जनवरी) को सुजलॉन के शेयर 1.50 फीसदी तक लुढ़क गया। कंपनी के शेयर आज 61.82 रुपये पर आ गए। हालांकि, ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर पॉजिटिव हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। हाल ही में क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा पॉजिटिव आउटलुक के साथ इसकी क्रेडिट रेटिंग को क्रिसिल ए में अपग्रेड किया गया है। इसने अपनी रिपोर्ट में सुजलॉन एनर्जी के मजबूत परफॉर्मेंस और बेहतर प्रॉफिटेबिलिटी पर भी प्रकाश डाला। बता दें कि सुजलॉन एनर्जी रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशन में प्रमुख है। पिछले कुछ सालों में इसके शेयरों ने बंपर रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर 65 प्रतिशत और पांच साल में 2400 प्रतिशत चढ़ गया है। 3 जनवरी 2020 को इस शेयर की कीमत 2.48 रुपये थी। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 86.04 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 35.49 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 84,558.85 करोड़ रुपये है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों ने पिछले एक साल में 63 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। दो और तीन सालों में रिन्यूएबल एनर्जी स्टॉक ने क्रमशः 477 प्रतिशत और 524 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। सचिन गुप्ता के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी के शेयर फिलहाल एक दायरे में चल रहे हैं। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों को 68 से 70 रुपये के दायरे में प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। निगेटिव पक्ष में, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का 58 से 60 रुपये के दायरे में मजबूत आधार है। ब्रोकरेज ने कहा, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों पर मेरी सिफारिश 57 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ रखने की है।

8 पिद्दियों ने दिया भौकाली रिटर्न, डायमंड पावर 1,00,000 प्रतिशत से ज्यादा उछला

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले चार सालों में छोटी कंपनियों के कुछ शेयरों ने बंपर रिटर्न दिया है। इनमें डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज और कई दूसरी कंपनियां शामिल हैं। डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने 1,07,018 प्रतिशत की तेजी दिखाई है। जनवरी 2021 में इसका शेयर 0.14 रुपये का था जो जनवरी 2025 में बढ़कर 154.25 रुपये पर पहुंच गया। मतलब, अगर किसी ने 2021 में इसमें एक लाख रुपये लगाए होते तो आज उसके 10.71 करोड़ रुपये हो गए होते। कंपनी की बिक्री भी वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 343.37 करोड़ रुपये हो गई। यह पिछले साल 15.46 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा, कंपनी को 17.03 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। जबकि पिछले साल 42.88 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 51,433 प्रतिशत बढ़कर 2.74 रुपये से 1,409.95 रुपये पर पहुंच गए। इसी तरह, इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज, सेजल ग्लास, त्रिशक्ति इंडस्ट्रीज, नाइब, लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी और पोलो क्वीन इंडस्ट्रियल एंड फिनटेक के शेयरों में भी 329 गुना, 145 गुना, 124 गुना, 112 गुना, 105 गुना और 104 गुना की बढ़ोतरी हुई है।

आगे ये सेक्टर कर सकते हैं अच्छा

बिजनेस टुडे ने बोनांजा पोर्टफोलियो के वाइस-प्रेसिडेंट अचिन गोयल के हवाले से बताया, 2025 में रियल एस्टेट, पावर, इंफ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। सरकार की किफायती आवास और शहरीकरण की योजनाओं से रियल एस्टेट में तेजी आ सकती है। बढ़ती बिजली की मांग और सरकार के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्यों से पावर सेक्टर को फायदा होगा। 1.4 ट्रिलियन डॉलर के निवेश से इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निर्माण के नए अवसर पैदा होंगे। बेहतर एसेट क्वालिटी और बढ़ते लोन से बैंकिंग सेक्टर का मुनाफा बढ़ सकता है। गोयल के अनुसार, हालांकि ये सेक्टर अच्छे लग रहे हैं, लेकिन निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए और अपने पोर्टफोलियो को विविध रखना चाहिए ताकि आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटा जा सके।दूसरी ओर, एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज के डायरेक्टर और सीइओ अजय गर्ग का मानना है कि बीएफएसआई, एफएमसीजी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर 2025 में शानदार रिटर्न दे सकते हैं।

5 साल में 800 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न, अब कंपनी के बिजनेस को लेकर आई बड़ी जानकारी

नईदिल्ली, एजेंसी। कंपनियों की तरफ से दिंसबर तिमाही के नतीजे सामने आ रहे हैं। जिसके आधार पर निवेशक भविष्य का फैसला कर रहे हैं। जिन कंपनियों के प्रदर्शन पर निवेशकों की निगाह टिकी हुई है उसमें से हाई टेक पाइप्स एक है। कंपनी की तरफ से गुरुवार को बिजनेस अपडेट दिया गया है। जोकि सालाना आधार पर बेहतर रहा है। इस जानकारी का असर आज कंपनी के शेयरों पर भी दिखा।

बीएसई में शुक्रवार को यह मल्टीबैगर स्टॉक करीब 3 प्रतिशत तक की छलांग लगाने में सफल रहा है। बता दें, बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव 158.70 रुपये था। हाई-टेक पाइप्स की सेल्स में सालाना आधार पर 26.10 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। स्टील पाइप और ट्यूब्स का उत्पादन और सप्लाई करने वाली इस कंपनी की कुल सेल्स दिसंबर तिमाही के दौरान 1,24,233 मैट्रिक टन रहा है। चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीने में कुल सेल्स 3,69,415 मैट्रिक टन रहा है। इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में पिछले 3 महीने के दौरान 15 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

तीन महीने में 60 अरब घट गया विदेशी मुद्रा भंडार, 8 महीने के लो पर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व में फिर गिरावट आई है। सितंबर अंत में यह 704.88 अरब डॉलर के ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया था लेकिन उसके बाद से इसमें करीब 60 अरब डॉलर की गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर रहा। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.48 अरब डॉलर घटकर 644.39 अरब डॉलर पर आ गया था। यह इसका 8 महीने का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है।

इस गिरावट का कारण रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.77 के ऑल टाइम लो पर पहुंच गया। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 27 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.64 अरब डॉलर घटकर 551.92 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

गोल्ड रिजर्व- समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 54.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 66.27 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 17.87 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.22 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रहा।

एसबीआई ने लॉन्च की हर घर लखपति और एसबीआई पैट्रन्स स्कीम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक ने दो नई जमा योजनाएं शुरू की हैं। ये हैं हर घर लखपति और एसबीआई पैट्रन्स। एसबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये योजनाएं ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधा और मूल्य प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई हैं। एसबीआई का कहना है कि ये योजनाएं ग्राहकों को ज्यादा फायदा पहुंचाएंगी।

हर घर लखपति क्या है

हर घर लखपति एक पहले से तय रकम वाली रेकरिंग डिपॉजिट स्कीम है। इससे ग्राहकों को एक लाख रुपये या उसके मल्टीपल में जमा करने में मदद मिलेगी। एसबीआई के अनुसार, यह योजना वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाती है। यह ग्राहकों को प्रभावी ढंग से बचत करने में मदद करती है। हर घर लखपति स्कीम नाबालिगों के लिए भी उपलब्ध है। इससे कम उम्र में ही बचत करने की आदत को बढ़ावा मिलेगा।

एसबीआई पैट्रन्स की खूबियां क्या हैं

एसबीआई ने एसबीआई पैट्रन्स नाम से एक विशेष टर्म डिपॉजिट स्कीम भी शुरू की है। यह योजना 80 साल और उससे ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। इस योजना में ज्यादा ब्याज दरें मिलेंगी। यह बैंक के साथ वरिष्ठ ग्राहकों के लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को मान्यता देता है। एसबीआई पैट्रन्स मौजूदा और नए दोनों टर्म डिपॉजिट ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

एसबीआई चेयरमैन ने क्या कहा

इन दोनों स्कीमों की लॉन्चिंग पर एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसे टारगेट-ओरिएंटेड डिपॉजिट प्रोडक्ट बनाना है जो न केवल वित्तीय लाभ बढ़ाएं, बल्कि हमारे ग्राहकों की आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों। हम पारंपरिक बैंकिंग को और अधिक समावेशी और प्रभावशाली बनाने के लिए इसे फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, एसबीआई हर ग्राहक को सशक्त बनाने वाले समाधानों को सहजता से प्रदान करने के लिए इनोवेशन और तकनीक का लाभ उठाने को प्रतिबद्ध है।

मल्टीपल पर्सनल लोन लेना अब हुआ मुश्किल, लागू हो गया आरबीआई का नया नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। अब लोन लेने वालों के लिए कई पर्सनल लोन लेना मुश्किल होने वाला है। आरबीआई का नया नियम लागू हो गया है। इसके मुताबिक कर्ज देने वालों को क्रेडिट ब्यूरो में जानकारी पहले एक महीने की बजाय अब 15 दिन के अंदर अपडेट करनी होगी। हर दो हफ्ते में रिकॉर्ड अपडेट होने से अब कम लोगों को मल्टीपल लोन मिल पाएंगे। अगस्त में जारी किए गए नए निर्देश को लागू करने के लिए 1 जनवरी तक का समय दिया गया था। अब यह नियम लागू हो गया है। रिजर्व बैंक का कहना था कि इससे कर्ज देने वालों को कर्ज लेने वालों के जोखिम का बेहतर आकलन करने में मदद मिलेगी।

क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी सीआरआइएफ हाई मार्क के चेयरमैन सचिन सेठ का कहना है कि किश्तें महीने में अलग-अलग तारीखों को चुकाई जाती हैं। महीने में एक बार रिपोर्टिंग करने से डिफॉल्ट या पेमेंट की जानकारी दिखने में 40 दिन तक की देरी हो सकती है। लेकिन रिपोर्टिंग का समय 15 दिन करने से ये देरी काफी कम हो जाएगी। ज्यादा बार अपडेट होने से कर्ज देने वालों को डिफॉल्ट या पेमेंट की सही जानकारी लगभग असल समय में मिल पाएगी।

मल्टीपल कर्ज लेने की आदत: हाल ही में टीओआई को दिए एक इंटरव्यू में एसबीआई के चेयरमैन सी.एस. सेट्टी ने बताया था कि जब कोई नया कर्ज लेने वाला लोन लेता है और क्रेडिट सिस्टम का हिस्सा बनता है, तो उसे कई जगहों से ज्यादा लोन मिल जाते हैं। यह उसके चुकाने की क्षमता से अधिक हो सकता है। ऐसे में एसबीआई ने रेकॉर्ड को कई बार अपडेट करने का सुझाव दिया था जिससे कर्ज देने वालों को कर्ज लेने वालों की बेहतर जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि इससे एक ही शख्स द्वारा मल्टीपल कर्ज लेने की आदत कम होगी। सचिन सेठ का कहना है कि सेठ कर्ज लेने वाले शख्स ने अगर मल्टीपल लोन लिए हैं और उनकी ईएमआई की तारीखें अलग-अलग हैं। इससे उसकी आर्थिक गतिविधि अब दो हफ्तों के अंदर सिस्टम में दिखाई देने लगेगी। इससे कर्ज देने वालों को कर्ज लेने वाले के क्रेडिट व्यवहार की साफ और ताजा जानकारी मिल जाएगी।

कर्ज के लिए कर्ज पर लगेगी लगाम: लेंडर्स का कहना है कि बार-बार डेटा अपडेट होने से एवरग्रीनिंग जैसी हरकतें भी रुकेंगी। इसमें कर्ज लेने वाले पुराने कर्ज नहीं चुका पाने पर नए कर्ज ले लेते हैं और सिस्टम में जोखिम की जानकारी नहीं दिखती।

एलन मस्क ने बना दिया कमाई का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में साल के पहले ट्रेडिंग डे पर 17.7 अरब डॉलर का झटका लगा था लेकिन एक दिन में ही उन्होंने बाजी पलट दी। इलेक्ट्रिक वीकल बनाने वाली उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को 8.22 प्रतिशत की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक शुक्रवार को मस्क की नेटवर्थ में 22.3 अरब डॉलर की तेजी आई और यह 437 अरब डॉलर पहुंच गई। दूर-दूर तक कोई उनकी टक्कर में नहीं है। मस्क की नेटवर्थ में पिछले साल 203 अरब डॉलर की तेजी आई थी। इस साल उनकी नेटवर्थ पहले हफ्ते में 4.61 अरब डॉलर उछली है।

शुक्रवार को दुनिया के टॉप 20 रईसों में से 16 की नेटवर्थ में तेजी रही। सबसे ज्यादा गंवाने के मामले में फ्रांस के कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट सबसे आगे रहे। उनकी नेटवर्थ में 5.22 अरब डॉलर की गिरावट आई। दुनिया के टॉप अमीरों में मस्क के बाद ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 243 अरब डॉलर है। फेसबुक के मार्क जकरबर्ग (214 अरब) तीसरे, लैरी एलिसन (.192 अरब) चौथे, लैरी पेज (.170 अरब) पांचवें, बर्नार्ड अरनॉल्ट (.169 अरब) छठे, सर्गेई ब्रिन (.160 अरब) सातवें, बिल गेट्स (.158 अरब) आठवें, स्टीव बालमर (.147 अरब) नौवें और वॉरेन बफे (.142 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल: ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 68.5 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 93.1 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए हैं जबकि एशिया में पहले नंबर पर हैं।

पीएनबी ने दिया बड़ा तोहफा, एफडी पर मिलेगा 8 प्रतिशत से अधिक ब्याज, हुए 2 बड़े बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। एफडी में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने एफडी की दरों में दो नए प्लान को जोड़े हैं साथ ही पुराने रेट्स में भी परिवर्तन किया है। नई दरें और नए प्लान 1 जनवरी 2025 से प्रभावी हो चुका है। बता दें, यह नई 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी के लिए है।

पंजाब नेशनल बैंक ने 303 दिन के नए एफडी प्लान की शुरुआत की है। बैंक 303 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज देगा। वहीं, 506 दिन की एफडी पर बैंक की तरफ से 6.7 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा।

सामान्य नागिरकों को 400 दिन की एफडी पर बैंक दे रहा है 7.25 प्रतिशत ब्याज: पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से एफडी पर इस समय सामान्य नागरिकों के लिए 3.5 प्रतिशत से 7.25 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। बैंक 7 दिन से 10 साल तक की एफडी का विकल्प निवेशकों को दे रहा है। सबसे अधिक ब्याज बैंक की तरफ से 400 दिन की एफडी पर मिल रहा है। पीएनबी के ग्राहकों को इतने दिन के लिए 7.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

वरिष्ठ नागरिकों को कितना फायदा: सीनियर सिटीजन को बैंक की तरफ से कम से कम 4 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। वहीं, एफडी पर अधिकतम 7.75 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। बैंक की तरफ से सबसे अधिक ब्याज 400 दिन की एफडी पर सीनियर सिटीजन को मिलेगा। बता दें, सीनियर सिटीजन के पास भी 7 दिन से 10 साल तक की एफडी करवाने का विकल्प मिल रहा है।

सुपर सीनियर को मिल रहा है 8 प्रतिशत से अधिक का ब्याज: सुपर सीनियर सिटीजन नाम से पंजाब नेशनल बैंक ने एक नई कैटगरी बनाई है। बैंक सुपर सीनियर को 400 दिन की एफडी पर 8.05 प्रतिशत तक का ब्याज ऑफर कर रहा है। 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर सीनियर सिटीजन को कम से कम 4.3 प्रतिशत का ब्याज मिलेगा। वहीं, अधिकतम 8.05 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है।

क्विक कॉमर्स कंपनियों को केंद्रीय मंत्री की दो टूक

कहा- भारत में लागू सभी नियम मानने होंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को क्विक कॉमर्स कंपनियों को साफ-साफ संदेश दिया कि उन्हें (कंपनियों को) देश में लागू सभी नियम-कानून मानने ही होंगे। एक क्विक कॉमर्स कंपनी की ओर से एंबुलेंस सेवा शुरू किए जाने के एलान के बाद केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह प्रतिक्रिया दी है।

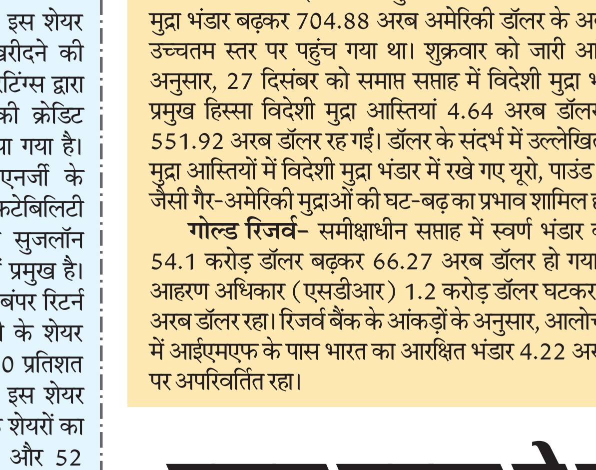

पीयूष गोयल ने कहा कि यदि ऐसी (एंबुलेंस सेवा जैसी) कोई नई चीज शुरू होती है सभी कानूनी जरूरतों को पूरा किया ही जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

गोयल ने कहा, किसी कंपनी की ओर से एंबुलेंस या दवाओं की आपूर्ति से जुड़ी सेवाएं शुरू करने से पहले उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे भारत में लागू सभी नियम और कानूनों का सही ढंग से पालन कर रहे हैं या नहीं। देश में लागू किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

दैनिक आवश्यकताओं, ब्यूटी और कॉस्मेटिक्स, पेट केयर, बेबी केयर ओर खाद्य पदार्थों को घर तक उपलब्ध कराने जैसी सेवाओं के बाद एक क्विक कॉमर्स कंपनी (ब्लिंकिट) ने 10 मिनट में दरवाजे पर एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने का एलान किया है। केंद्रीय मंत्री का उक्त बयान उसी के बाद आया है।

ईवी उद्योग पर बोले मंत्री- यह सेक्टर उड़ान के लिए तैयार, आगे सब्सिडी की जरूरत नहीं

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों और भारतीय ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के साथ बैठक के बाद कहा कि भारत का इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है और इसके लिए किसी नए प्रोत्साहन या सब्सिडी की आवश्यकता नहीं है।

बैठक के दौरान, पीयूष गोयल ने ईवी अपनाने, विस्तार और प्रौद्योगिकी उन्नति के साथ-साथ बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग स्टेशनों से संबंधित चुनौतियों और सुझावों पर विचार-विमर्श किया। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है; इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जर/चार्जिंग स्टेशनों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। ये कदम भारत में ईवी अपनाने को बढ़ावा देने वाले हैं। गोयल ने भारत में ईवी को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

भारत की प्लेइंग 11 से बाहर होने के बाद रोहित शर्मा का पहला बयान

अभी संन्यास लेने की कोई योजना नहीं: रोहित शर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी टेस्ट मैच के दूसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान ब्रॉडकास्टर को दिए इंटरव्यू में टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर अटकलों पर जवाब दिया। रोहित शर्मा ने इस इंटरव्यू में न्यू ईयर टेस्ट मैच से पहले ड्रेसिंग रूम में क्या हुआ इस बारे में विस्तार से बात की और निकट भविष्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। रोहित ने कहा कि सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का उनका फैसला कठिन लेकिन समझदारी भरा था, लेकिन इससे उनके भविष्य में कोई बदलाव नहीं आएगा।

रोहित शर्मा से सवाल हुआ, ऐसी खबरें थीं कि आपको आराम दिया गया या टीम से बाहर कर दिया गया? रोहित ने जवाब दिया, इनमें से कुछ नहीं है। मैं बाहर हटा हूं। मैंने चयनकर्ताओं और कोच से कहा कि मेरे बल्ले से रन नहीं निकल रहा है, इसलिए मैंने हटने का फैसला किया। मैं थोड़ा बहुत कहूंगा, पचास बातें बनेंगी। कोच और कप्तान के साथ मेरी जो बातचीत हुई वह बहुत सरल थी मैं रन नहीं बना रहा हूं। रोहित शर्मा ने कहा, मैं फॉर्म में नहीं हूं, यह एक महत्वपूर्ण मैच है, हमें फॉर्म में खिलाड़ियों की जरूरत है। हमारे बल्लेबाज फॉर्म में नहीं हैं। आप टीम में बहुत सारे आउट-ऑफ-फॉर्म खिलाड़ियों को नहीं रख सकते। इसलिए मेरे लिए यह निर्णय लेना मुश्किल था, लेकिन अगर सब कुछ हमारे सामने रखा जाए तो यह निर्णय समझदारी भरा था। मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचूंगा इस समय टीम को क्या चाहिए, बस यही सोचा था और इसके अलावा कोई और विचार नहीं था।

बाद में इंटरव्यू में रोहित ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी अभी संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है और उन्हें विश्वास है कि वह अपना फॉर्म सुधार सकते हैं। रोहित ने कहा, मैं जल्द ही रिटायर नहीं होने वाला हूं, ऐसा कोई फैसला नहीं है। मैंने सिर्फ इसलिए इस मुकाबले से बाहर रहने का फैसला किया क्योंकि रन नहीं बन रहे थे। मैं कड़ी मेहनत करूंगा और कमबैक करूंगा। अभी रन नहीं बन रहे हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि 5 महीने बाद भी रन नहीं बनेंगे। हमने क्रिकेट में बहुत कुछ देखा है, हर मिनट, हर सेकंड, हर रोज जिंदगी बदलती है। इसलिए मुझे खुद पर पूरा भरोसा है कि चीजें बदलेंगी, लेकिन साथ ही आप जानते हैं कि मुझे यथार्थवादी भी होना होगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट हुआ रोमांचक

सिडनी टेस्ट में भारत 145 रन से आगे

सिडनी, एजेंसी। भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 145 रन आगे है। शनिवार को टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट खोकर 141 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 8 और वॉशिंगटन सुंदर 6 रन पर नाबाद लौटे। सिडनी में भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने 33 बॉल पर 61 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 22 रन का योगदान दिया। केएल राहुल और शुभमन गिल 13-13 रन बना सके। विराट कोहली ने 6 रन बनाए। स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके।टी-ब्रेक से पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई। यहां इंडिया को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया से डेब्यू मैच खेल रहे ब्यू वेबस्टर ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 33 और सैम कोंस्टास ने 23 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।भारतीय टीम का स्कोर 141 रन है। टीम इंडिया ने कुल 145 रन की बढ़त बना ली है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर नाबाद लौटे हैं।

टेनिस

विश्व नंबर 293 ओपेल्का से हारे जोकोविच

ब्रिस्बेन, एजेंसी। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 293 अमेरिका के रीली ओपेल्का के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अपनी तेज सर्विस के दम पर ओपेल्का ने जोकोविच को सीधे सेटों में 7-6 (6), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओपेल्का ने पूरे मैच में 16 एस लगाए और दोनों सेट एस लगाकर ही समाप्त किए। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। सेमीफाइनल में ओपेल्का फ्रांस के जियोवानी पेरीकार्ड से भिड़ेंगे। पेरीकार्ड ने याकूब मेंसिक को 7-5, 7-6 से हराया। फरवरी, 2022 में ओपेल्का की विश्व रैंकिंग 17 तक पहुंच गई थी, लेकिन इसी वर्ष के अंत में उनके कूल्हे की सर्जरी हुई और ट्यूमर निकाला गया। जब से उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी की है, उसके बाद से यह उनके लिए सबसे बड़ा परिणाम है। जोकोविच का साल का यह पहला टूर्नामेंट है। 12 जनवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह नए कोच एंडी मरे की कोचिंग में खेलने उतरेंगे। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीत चुके हैं। ओपेल्का ने कहा, जोकोविच के खिलाफ उनके पास खोने को कुछ नहीं था। वह इस खेल के सबसे महान खिलाड़ी हैं, जिसके चलते वह उनके खिलाफ स्वतंत्र होकर खेले और ज्यादा जोखिम भी उठाए। अगर आप उनके खिलाफ सामान्य या उससे कुछ अधिक स्तर पर खेलेंगे तो किसी भी खिलाड़ी को उनके खिलाफ हार मिलेगी।

खेल रत्न अवार्ड्स

यह सबसे बड़ी उपलब्धि, खेल रत्न विजेता हरमनप्रीत बोले-अभी काफी कुछ आना बाकी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए चुने जाने पर कहा, यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक है, लेकिन वह अभी संतुष्ट नहीं हुए हैं और अभी काफी कुछ आना बाकी है। हरमनप्रीत का कहना है कि उनका अगला लक्ष्य विश्वकप का पदक जीतना है। सबसे बड़ा सपना ओलंपिक और विश्वकप का स्वर्ण जीतना है।हरमनप्रीत यह भी कहते हैं कि ये पुरस्कार और उपलब्धियां तो उनकी हैं, लेकिन इनके पीछे उनके टीम साथियों का हाथ है। इनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। वर्ष 2014 से अंतरराष्ट्रीय करिअर की शुरुआत करने वाले हरमनप्रीत कहते हैं कि हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है, एक टीम के रूप में हासिल किया है। अगले वर्ष बेल्जियम में होने वाले विश्वकप में पदक जीतना उन्होंने अगला लक्ष्य रखा है। इसके बाद वह 2028 के ओलंपिक में स्वर्ण का लक्ष्य लेकर उतरेंगे।

पंत ने टेस्ट में लगाया टी-20 का तड़का

29 गेंद में अर्धशतक जड़ बनाया विराट रिकॉर्ड

सिडनी, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सिडनी में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट में टी20 का तड़का लगाया. पंत ने 29 महज गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया. अर्धशतक तक पहुंचने के लिए पंत ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए. इस अर्धशतक के साथ पंत एक बार फिर भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए. इसके अलावा पंत ऑस्ट्रेलिया में मेहमान टीम के खिलाड़ी के रूप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बने.

पंत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 61 रनों की पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 184.85 का रहा. पंत के जरिए टीम इंडिया ने पांचवां विकेट खोया.

पंत ने 29 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया. इससे पहले उन्होंने 2022 में श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में 28 गेंदों में फिफ्टी पूरी की थी, जिसके साथ वह भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे. अब सिडनी टेस्ट में 29 गेंदों में हाफ संेचुरी पूरी कर पंत एक बार फिर अपने रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए. लिस्ट में पूर्व कप्तान कपिल देव तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 30 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. पंत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सभी पांच टेस्ट खेले. शुरुआती चार टेस्ट में पंत फ्लॉप नजर आए और उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला. अब पांचवें टेस्ट में भारत की दूसरी पारी के दौरान पंत ने सीरीज का पहला अर्धशतक बनाया. सीरीज में पंत ने 9 पारियों में क्रमशः 37, 01, 21, 28, 09, 28, 30, 40 और 61 रन बनाए.

बुमराह को लगी चोट, क्या दूसरी पारी में कर पाएंगे बॉलिंग?

सिडनी, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा सिडनी टेस्ट मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है. सिर्फ 2 दिन का खेल हुआ है और उसमें भी दो पारियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि तीसरी पारी में भी टीम इंडिया के 6 विकेट गिर गए. हालांकि टीम इंडिया इसके बावजूद अभी 145 रन की बढ़त ले चुकी है. मगर टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती टीम के कप्तान और स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस. मैच के दूसरे दिन बुमराह अचानक मैदान छोड़कर अस्पताल चले गए थे, जिसने भारतीय टीम और फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं. अब खुलासा हुआ है कि बुमराह की पीठ में दर्द उठा है और मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए हुए है. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शनिवार 4 जनवरी को सीरीज के आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन का खेल हुआ. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया. दिन के पहले सेशन में तो बुमराह ने काफी गेंदबाजी की और मार्नस लाबुशेन का विकेट भी हासिल किया. फिर दूसरे सेशन में कुछ देर के खेल के बाद अचानक वो मैदान से बाहर चले गए. ये नजारा देखकर टीम इंडिया के फैंस भी टेंशन में आ गए. बुमराह को ड्रेसिंग रूम से मैच किट के बजाए ट्रेनिंग जर्सी में बाहर आते हुए देखा गया और फिर टीम के फीजियो के साथ एक कार में बैठकर स्टेडियम से बाहर चले गए थे.टीम इंडिया ने जब दूसरी पारी में बल्लेबाज शुरू की तो उसके कुछ देर बाद बुमराह वापस स्टेडियम में लौट आए थे लेकिन हर किसी को बस यही जानने का इंतजार था कि आखिर उन्हें चोट क्या लगी है. दूसरे दिन स्टंप्स के बाद इसका खुलासा भी हो गया.

तलाक की अफवाहों ने फिर पकड़ी जोर

धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल के रिश्ते में दरार?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी, कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, एक बार फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच तलाक की अफवाहें तब और तेज हो गईं जब दोनों ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। खबरों के मुताबिक, युजवेंद्र चहल ने धनश्री के साथ अपने सभी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जबकि धनश्री ने चहल को अनफॉलो तो किया है, लेकिन उनके साथ की तस्वीरें अभी भी उनके प्रोफाइल पर मौजूद हैं। इस जोड़े के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि दोनों का तलाक लगभग तय है और आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। हालांकि, उनके अलगाव के पीछे के सही कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। साल 2023 में भी दोनों के अलगाव की अफवाहें उस समय उड़ी थीं, जब धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम बायो से चहल उपनाम हटा दिया था। इसी दौरान, चहल ने एक गुप्त स्टोरी शेयर की थी जिसमें लिखा था, नया जीवन लोड हो रहा है। हालांकि, उस वक्त चहल ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए अपने प्रशंसकों से ऐसी बातें न फैलाने की अपील की थी। गौरतलब है कि इस जोड़े ने 11 दिसंबर, 2020 को शादी की थी। अपनी प्रेम कहानी के बारे में धनश्री ने झलक दिखला जा 11 पर खुलासा करते हुए बताया था कि लॉकडाउन के दौरान युजवेंद्र ने डांस सीखने की इच्छा जताई थी। सोशल मीडिया पर धनश्री के डांस वीडियो देखकर उन्होंने उनसे संपर्क किया और उनके छात्र बन गए। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी कर ली। अब, तलाक की खबरों ने एक बार फिर उनके प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। सभी को इस बात का इंतजार है कि यह चर्चित जोड़ा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर क्या आधिकारिक बयान जारी करेगा।

अर्जुन पुरस्कार उपलब्धि, मेरा लक्ष्य शीर्ष 10 में जगह बनाना, शतरंज खिलाड़ी वंतिका का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की उभरती शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल ने अर्जुन पुरस्कार जीतने को अपने करियर के सबसे बड़े क्षणों में से एक करार देते हुए कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने के साथ महिला खिलाड़ियों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है। वंतिका ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार हासिल करना मेरे करियर के सबसे सुखद पलों में से एक है। यह मेरे जीवन में एक प्रमुख व्यक्तिगत मील का पत्थर है। यह सम्मान मेरी कड़ी मेहनत, मेरे कोचों के समर्पण और मेरे परिवार और गुरुओं के अटूट समर्थन का प्रमाण है। वंतिका के नाम अभी 2411 अंक हैं। उन्होंने 2024 में भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वह इस दौरान 13 ईएलओ अंक हासिल कर वैश्विक रैंकिंग में 12 स्थान

सुधार करने में सफल रही।उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल कर महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह को इंग्लैंड में प्रशिक्षण के लिए कैब में जाते समय एक बधाई संदेश मिला जिससे उन्हे अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने का पता चला। इस साल विश्व रैंकिंग में शीर्ष 30 में जगह बनाने का लक्ष्य रखने वाले 25 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सम्मान को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार देते हुए कहा, हां, यह एक बड़ी उपलब्धि है। हो सकता है कि जब मैं 17 तारीख को वहां पहुंचूं तो यह मुझे और अधिक प्रभावित करे। मैं अभी इंग्लैंड में ठंड में एक प्रशिक्षण शिविर में रुका हुआ हूं, इसलिए इसे प्राप्त करना थोड़ा कठिन है। एशियाई खेल 2023 में टीम स्वर्ण और मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतने वाले दुनिया के 54वें नंबर के इस खिलाड़ी ने कहा, यह पुरस्कार मेरी टीम और परिवार के बलिदानों और मुझमें उनके निवेश के लिए है।

खेल पुरस्कार के लिए आगे नहीं आए क्रिकेटर, खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं किया आवेदन

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछली बार की तरह इस बार खेल मंत्रालय ने भी किसी भी क्रिकेटर को पुरस्कार देने के लिए स्वतः संज्ञान नहीं लिया। बीते वर्ष मंत्रालय ने मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड दिया था। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए खिलाड़ियों में जबरदस्त होड़ रहती है, लेकिन किसी भी क्रिकेटर ने इनमें रुचि नहीं दिखाई। भारतीय टीम के किसी भी क्रिकेटर ने खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए इस बार आवेदन नहीं किया। पुरस्कार समिति के कुछ सदस्यों के अनुसार इस बार राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए तकरीबन 350 खिलाड़ियों ने आवेदन किया, लेकिन इसमें किसी भी क्रिकेटर का नाम नहीं था। हालांकि, पिछली बार की तरह इस बार खेल मंत्रालय ने भी किसी भी क्रिकेटर को पुरस्कार देने के लिए स्वतः संज्ञान नहीं लिया। बीते वर्ष मंत्रालय ने मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड दिया था ।कुछ वर्षों से खेल मंत्रालय ने खेल पुरस्कारों के लिए सीधे आवेदन का प्रावधान रखा है। इससे पहले खिलाड़ी अपने खेल संघों के जरिये इनके लिए आवेदन करते थे। पिछले कई वर्षों से बीसीसीआई खेल पुरस्कार के लिए आवेदन भेजता था।

सोनिया बंसल 2025 के लिए बेहद उत्साहित हैं

बिग बॉस सीजन 17 की फेम सोनिया बंसल ने आगरा से बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री तक का एक पेशनेट सफर तय किया है। वह नए साल में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार हैं। अबू धाबी में में भाग लेने से पहले, सोनिया डिप्रेशन से अपनी लड़ाई के लिए चर्चा में थीं, लेकिन अब उन्होंने कड़ी मेहनत, खुशी और अपने काम के प्रति प्यार के साथ डिप्रेशन से बाहर निकलने का कारण ढूंढ लिया है। फिलहाल, मैंने बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री दोनों में कई रोमांचक प्रोजेक्ट साइन किए हैं। मैं दोनों इंडस्ट्री की रचनात्मकता और मेरे जैसे महत्वाकांक्षी कलाकारों को मिलने वाले अवसरों के लिए उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। मैं जनवरी-फरवरी 2025 के आसपास इसकी शूटिंग शुरू करूंगी, सोनिया बंसल ने अपनी उत्सुकता के कारणों को साझा करते हुए कहा। आगरा यूनिवर्सिटी से एमए करने वाली सोनिया कॉर्पोरेट जगत में अपना करियर शुरू करने के लिए मुंबई चली गईं। हालांकि, उनकी किस्मत और सच्चे जुनून ने उन्हें अभिनय और फैशन इंडस्ट्री की ओर अग्रसर किया।

डुबकी, गेम 100 करोड़ का, शूरवीर और धीरा में काम कर चुकीं सोनिया म्यूजिक वीडियो के जगत में भी एक जानी-मानी हस्ती हैं। उन्हें रियलिटी स्टार शिव ठाकरे के साथ कोई बात नहीं, म्यूजिक वीडियो में देखा गया था। सोनिया बंसल अपनी आने वाली फिल्म चार कदम में बतौर स्टोरी राइटर डेब्यू करने जा रही हैं। इस बारे में बताते हुए सोनिया ने कहा, मुझे न केवल अपने खाली समय में बल्कि यात्रा के दौरान और जब भी संभव हो, फिल्में देखना पसंद है। मैंने कई भाषाओं में बनी फिल्में देखी हैं और एक बात जो मुझे समझ में आई वह यह है की ऐसी कई कहानियां हैं जिन्हें बताया जाना चाहिए और मैंने चार कदम की कहानी बनाई। यह कई लड़कियों की कहानी है जो बेहतर अवसरों की तलाश में अपने छोटे शहरों से मुंबई जैसे मेट्रो शहरों में आती हैं, मेरी तरह और वे क्या-क्या झेलती हैं। सोनिया ने न केवल फिल्म की कहानी लिखी है बल्कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रही हैं। वह प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं.

सोनू सूद ने खोली बॉलीवुड की पोल, बोले- यहां पार्टियों में अच्छी एक्टिंग की जाती है

जल्द ही एक्टर सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' रिलीज होगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म प्रमोशन के दौरान दिए गए एक इंटरव्यू में बॉलीवुड पार्टियों पर भी बात की। सोनू इन पार्टियों में जाना पसंद नहीं करते हैं, इसकी वजह भी उन्होंने साझा की। इन दिनों एक्टर सोनू सूद अपनी फिल्म 'फतेह' का प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में मैशबेल इंडिया को दिए इंटरव्यू में सोनू सूद ने बॉलीवुड पार्टियों के भी कुछ राज खोल दिए। क्या कहना है, इन पार्टियों के बारे में सोनू सूद का जानिए?

पार्टियों से नहीं मिलता काम

इंटरव्यू में सोनू सूद से पूछा गया कि वह बॉलीवुड पार्टियों के बारे में क्या सोचते हैं। इस पर एक्टर का कहना है, ' मैं कैमरे के आगे एफर्ट करता हूं, मैं किसी के घर या पार्टी में जाकर क्यों कोई एफर्ट करूंगा। पार्टी करने से करियर नहीं बनता है। हो सकता है कि बॉलीवुड पार्टी में जाने से किसी का करियर बना होगा। फिर मैं तो ड्रिंक नहीं करता, स्मोकिंग नहीं करता हूं, तो पार्टियों में नहीं जाता हूं। मैं इन पार्टियों में खुद को गुम सा महसूस करता हूं।'

दिखावा नहीं कर पाते हैं

सोनू आगे इंटरव्यू में कहते हैं, 'मैं जो हूं ही नहीं, उसका दिखावा नहीं कर पाता हूं। मुझे कई बॉलीवुड पार्टियां फेक यानी दिखावे वाली लगती हैं। इन्हीं पार्टियों में कई लोग कैमरे से ज्यादा अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं। हो सकता है कि ऐसा करने पर उनको किसी तरह का रिवॉर्ड मिलता हो।

फतेह के बाद साउथ में एक्टिव होंगे

बॉलीवुड के अलावा सोनू सूद ने साउथ की फिल्मों में भी अभिनय किया है, वह वहां एक बड़ा नाम हैं। सोनू सूद ने इंटरव्यू में बताया कि साउथ में कुछ फैंस ने उनका मंदिर ही बनवा दिया है। साउथ के दर्शक सोनू सूद को अपने घर का सदस्य जैसा ही मानते हैं। आगे भी सोनू सूद की इच्छा साउथ की फिल्मों में काम करने की है। अभी वह अपना पूरा फोकस फिल्म 'फतेह' पर रखना चाहते हैं। फिल्म में उनके साथ हीरोइन के तौर पर जैकलिन फर्नांडिस हैं। फिल्म 'फतेह' में जैकलिन के सिंपल लुक की खूब तारीफ हो रही है।

इन गलियों में को सर्टिफिकेट न देने पर

हाई कोर्ट की सेंसर बोर्ड को लताड़

बॉम्बे हाई कोर्ट हाल ही में हिंदी फिल्म इन गलियों में को लेकर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से नाराज नजर आया। फिल्म के संवादों पर उठाए गए सवालों को लेकर कोर्ट ने सीबीएफसी को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि फिल्म को देखे बिना ही आपत्ति उठाना गलत है। अदालत ने निर्देश दिया कि सीबीएफसी को पहले फिल्म को पूरी तरह से देखना चाहिए और फिर कोई फैसला लेना चाहिए। मामला तब सामने आया जब फिल्म निर्माता विनोद कुमार ने सीबीएफसी की ओर से फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट को रोकने के खिलाफ याचिका दायर की। सीबीएफसी ने फिल्म के एक विशेष संवाद, जीतेंगे तो रम चलेगा, हारेंगे तो बम चलेगा पर आपत्ति जताई थी। इस पर अदालत ने गहरी आपत्ति जताई।

हाई कोर्ट ने दिए ये निर्देश

हाई कोर्ट की एकल पीठ ने सीबीएफसी को निर्देश दिया कि वह फिल्म को देखे और दो सप्ताह के अंदर निर्णय लेकर फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट जारी करे। सीबीएफसी ने इस फिल्म के 13 संवादों पर आपत्ति जताई है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं इनमें से केवल पांच संवाद हटाने के लिए राजी हैं। निर्माताओं का कहना है कि फिल्म के प्रमुख संवाद को हटाने से इसकी आत्मा मर जाएगी।

अब इस दिन होगी मामले की सुनवाई

अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी। इन गलियों में की बात करें तो फिल्म में विवान शाह, अवंतिका दसानी और जावेद जाफरी जैसी सितारे नजर आने वाले हैं। इसका निर्देशन अविनाश दास ने किया है। यह फिल्म 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए प्रस्तावित है।

स्विट्ज़रलैंड से छुट्टी बिताकर लौटी करीना कपूर खान

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान हाल में स्विट्ज़रलैंड में थी। जहां वह अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रही थीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। अपने पति सैफ अली खान और दोनों बच्चों तैमूर और जेह के साथ अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस खूबसूरत जगह को छोड़ने के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बेबो ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर खूबसूरत बर्फ से ढके पहाड़ों की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने पोस्ट पर लिखा, यहां से जाना हमेशा दर्द देता है। ठंड के इस समय में खान परिवार ने सुंदर स्विस आल्प्स में छुट्टियां बिताई। परिवार के सदस्यों ने इस वातावरण में अपने लिए कुछ यादें भी बनाई है। 'उड़ता पंजाब' की अभिनेत्री ने तैमूर और जेह की कई मनमोहक तस्वीरें भी शेयर की। एक तस्वीर में तैमूर लाल और हरे रंग की पोशाक में बेहद प्यारे लग रहे हैं। करीना ने पोस्ट को कैप्शन दिया, मेरा बेटा। एक अन्य तस्वीर में, नन्हा तैमूर जमीन की ओर देखता हुआ दिखाई दे रहा है, और करीना ने मजाकिया अंदाज में लिखा, मुझसे मत पूछो कि मैं स्की करती हूं या नहीं। मैं अपने बेटे की तस्वीरें लेती हूं- किसी को तो लेनी ही चाहिए। एक अन्य फोटो में जेह बर्फ पर लेटे हुए और काले रंग की पोशाक और लाल रंग का हेलमेट पहने हुए रोते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद की एक तस्वीर में जेह अपनी आंखें बंद करके बर्फ पर लेटे हुए हैं। करीना ने अपने पति सैफ और उनके दो बेटों सहित अपने परिवार के साथ क्रिसमस मनाने की दिल को छू लेने वाली तस्वीरें भी साझा की। अपनी पोस्ट में करीना ने बताया कि वह अपने प्रियजनों के साथ छुट्टियों के जश्न में इतनी डूब गई थीं कि उन्हें पहले इसे साझा करने का मौका नहीं मिला था, लेकिन वह अब सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहती हैं।

2025 के लिए प्रियंका ने तय किया लक्ष्य

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने खुलासा किया बेटी और पति के साथ 2025 का खुलकर स्वागत किया। फैंस संग अपने जीवन के अनमोल पल साझा किए। साथ ही बताया कि अब उनका लक्ष्य क्या है? प्रियंका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी सहित कई तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर में प्रियंका ऑरेंज रंग की बिकिनी पहन अपने आलीशान विला की छत पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में वह बीच पर निक के साथ लाल बिकिनी पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जबकि उनकी बेटी पानी के साथ खेल रही है। एक अन्य तस्वीर में अभिनेत्री जेट स्की पर बैठी नजर आ रही हैं। जबकि अन्य तस्वीरों में प्रियंका और बेटी मालती साथ में नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिंदगी को खुलकर जीना ही 2025 के लिए मेरा लक्ष्य है। खुशी, आनंद और शांति हो। हम सभी को इस नए साल में बहुत कुछ मिले। अपने परिवार के लिए बहुत आभारी हूं। 2025 की शुभकामनाएं। ऐसी शानदार यादों के लिए शुक्रिया।

बॉलीवुड की इस मशहूर एक्ट्रेस के साथ काम नहीं करना चाहते रामू

मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं

राम गोपाल वर्मा ने हालिया इंटरव्यू में जान्हवी कपूर के बारे में हैरान करने वाली बात कही। निर्देशक ने कहा, मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं। श्रीदेवी के प्रति निर्देशक राम गोपाल वर्मा की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। एक वक्त ऐसा था, जब वह श्रीदेवी की एक झलक पाने के लिए तरसते थे। वह अभिनेत्री के साथ फिल्म भी करना चाहते थे।

इस बात का जिक्र खुद एक साक्षात्कार में राम गोपाल वर्मा कर चुके हैं। अब एक बार फिर हालिया साक्षात्कार में निर्देशक ने श्रीदेवी और उनकी बेटी जान्हवी कपूर के बारे में टिप्पणी करके सुर्खियों में आ गए हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपने हालिया साक्षात्कार में एक बार फिर श्रीदेवी के बारे में बात की, लेकिन इस बार उन्होंने उनकी बेटी, अभिनेत्री जान्हवी कपूर के बारे में भी अपने विचार साझा किए। राम गोपाल वर्मा ने कहा, मुझे अभी भी जान्हवी में श्रीदेवी नहीं दिखती है। हालांकि, इससे पहले साउथ अभिनेता और जान्हवी के 'देवरा' को-स्टार जूनियर एनटीआर ने कहा था कि फिल्म के लिए एक फोटोशूट के दौरान, एक पल ऐसा आया जब जान्हवी अपनी मां की तरह हूबहू लगीं। राम गोपाल वर्मा, एक झलक पाने के लिए घंटों घर के बाहर करते थे इंतजार

श्रीदेवी की तारीफ की

हालांकि, राम गोपाल ने श्रीदेवी और जान्हवी कपूर की तुलना को नकार दिया। उन्होंने श्रीदेवी की तारीफ की और कहा, चाहे 'पड़ाहरेल्ला वयासु' हो या 'वसंत कोकिला', उन्होंने कई तरह के प्रदर्शन किए। वास्तव में, उन्हें अभिनय करते हुए देखकर मैं भूल गया कि मैं एक फिल्म निर्माता हूं और उन्हें एक दर्शक के रूप में देखने लगा।

संध्या थिएटर भगदड़ मामले में अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत स्थानीय अदालत में मिली नियमित जमानत

हैदराबाद की एक अदालत ने एक थियेटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत की चल रही जांच के सिलसिले में अभिनेता अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी है। अल्लू अर्जुन को पुष्पा 2 भगदड मामले में बढ़ी राहत मिली है। हैदराबाद की नामपल्ली अदालत ने संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत की चल रही जांच के सिलसिले में अभिनेता अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने जमानत शर्तों के तहत अभिनेता को 50000 रुपये की दो जमानतें पेश करने का निर्देश दिया है।